क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 230, शनिवार, 15 सितम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

जेवर एयरपोर्ट के लिए 3900 किसानों की सहमति, धारा 11 की कार्रवाई जल्द शुरू होने की उम्मीद

ग्रेटर नोएडा। जेवर एयरपोर्ट के लिए अब तक 3900 किसानों ने सहमति दे दी है। एक-दो दिन में यह आंकड़ा 70 प्रतिशत के पार पहुंच जाएगा। इससे अब धारा 11 की कार्रवाई जल्द शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है। जेवर में बनने वाले इंटरनेशनल ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के लिए 1 सितंबर से प्रभावित परिवारों द्वारा सहमति देने का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा। कृषक व प्रभावित परिवारों को मिलाकर गुरुवार को करीब 150 किसानों ने सहमति दी है। सहमति देने वालों किसानों का आंकड़ा 3900 के पास पहुंच गया है। 5900 किसान इस परियोजना की जद में आ रहे हैं। 300 प्रभावित परिवारों की और सहमति आने के बाद किसानों का आंकड़ा 70 प्रतिशत के पार पहुंच जाएगा। इसके बाद धारा-11 की कार्रवाई के लिए प्रस्ताव शासन को भेज दिया जाएगा। गुरुवार को जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने गांव नगला फूल खान में रन्हेरा, रोही, नगला शरीफ खांन, नगला छीतर व दयानतपुर के किसानों के साथ बैठक की।

सीएम ने दिया किसानों के बेहतर विस्थापन का भरोसा

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने बीते रविवार को दिल्ली स्थित यूपी सदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर जेवर एयरपोर्ट से प्रभावित हो रहे किसानों के मुद्दे पर बात की थी। वार्ता के क्रम में मुख्यमंत्री ने प्रभावित होने वाले किसानों के बेहतर विस्थापन का भरोसा दिया था। जेवर विधायक ने किसानों के उचित व्यवस्थापन और अन्य सुविधाओं पर मुख्यमंत्री से चर्चा की। विधायक के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की तरक्की उनके लिए सर्वोपरि है। किसानों को बेतर विस्थापन और उचित सुविधाएं दी जाएंगी। विधायक ने बताया है कि 320 भूमिहीन परिवारों के साथ करीब 3105 किसानों की सहमति के साथ एयरपोर्ट के लिए जरूरी भूमि में से 86 फीसदी से अधिक जमीन मिलना तय हो गया है। उनके आह्वान पर ग्राम पारोही, रोही, दयानतपुर व बनवारीवास आदि गांवों के लोगों ने अपनी सहमति जिला प्रशासन को दी है।

नर्स और काउंसलर के भरोसे किया जा रहा एड्स रोगियों का इलाज

गाजियाबाद। 1619 एड्स रोगियों का इलाज मात्र एक नर्स और एक काउंसलर के भरोसे चल रहा है। इन रोगियों का इलाज करने के लिए एमएमजी अस्पताल में चल रहे एफआईएआरटी केंद्र में पिछले नौ महीने से कोई चिकित्सक नहीं हैं। ऐसे में पुराने 1619 एड्स रोगियों को दवा देकर केंद्र से लौटा दिया जा रहा है। वहीं नए एड्स रोगियों को मजबूरी में मेरठ भेजा जा रहा है। गाजियाबाद में करीब 1619 एड्स रोगी हैं। इनका इलाज करने के लिए एमएमजी अस्पताल में एफआईएआरटी केंद्र है। इस केंद्र पर तैनात चिकित्सक ने इसी साल जनवरी में इस्तीफा दे दिया था। चिकित्सक के जाने के बाद इस केंद्र को अभी तक कोई नया चिकित्सक नहीं मिला है। इस केंद्र पर वर्तमान में मात्र एक स्टाफ नर्स और एक काउंसलर है, जो कि पुराने ही 1619 मरीजों का इलाज कर रहे हैं। जबकि इलाज के लिए आने वाले नए एड्स रोगियों को चिकित्सक न होने के कारण सही इलाज के लिए मेरठ भेजा जा रहा है। ऐसे में इन रोगियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यही नहीं पुराने मरीजों का भी इलाज करने में नर्स और काउंसलर को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

चिकित्सक आने को तैयार नहीं : एफआईएआरटी केंद्र पर चिकित्सक का संविदा का पद है। इस पद का वेतन मात्र 36 हजार रुपये प्रति माह है। इस पद पर एमबीबीएस चिकित्सक को लाने के लिए कई बार प्रयास किया गया लेकिन कोई भी एमबीबीएस चिकित्सक संविदा पर मात्र 36 हजार के वेतन पर आने के लिए तैयार नहीं हो रहा है। यही वजह है कि तमाम कोशिशों के बाद भी इस केंद्र के लिए कोई चिकित्सक नहीं मिल रहा है। इस कारण यह केंद्र पिछले नौ माह से बिना चिकित्सक के चल रहा है।

बीस से ज्यादा बच्चे भी हैं शामिल

एफआईएआरटी केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक एड्स रोगियों में करीब 20 से ज्यादा बच्चे भी शामिल हैं। जिनका इलाज किया जा रहा है। इस केंद्र में चिकित्सक की तैनाती के लिए शासन को पत्र कई बार लिखा गया है। चिकित्सक मिलने से बड़ी राहत इस केंद्र की नर्स और काउंसलर को मिलेगी।

70 किलो सोने से श्रृंगार

मुम्बई के जीएसबी सेवा मंडल के गणेश पंडाल में महोत्सव के पहले दिन गुरुवार को भक्तों की भीड़ रही। 70 किलो सोने से सजे गणेश पंडाल की सुरक्षा में ड्रोन तैनात हुआ। यहां भक्तों के रूप में पूर्व ऑस्ट्रेलिया क्रिकेटर ब्रेट ली भी पहुंचे।

मयूर विहार में 10 साल की मासूम से रेप, सड़क पर मिली खून से लथपथ

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली से एक बार फिर से दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेस 3 में गुरुवार रात स्मृति वन पार्क के पास एक 10 साल की बच्ची से दरिंदगी का मामला सामने आया। दुष्कर्म के बाद आरोपी ने बच्ची पर जानलेवा हमला किया। बच्ची खून से लथपथ और बेहोश मिली। बच्ची को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उसे एम्स में रेफर कर दिया गया उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार 10 वर्षीय बच्ची परिवार के साथ गाजीपुर इलाके में रहती है। गुरुवार रात आरोपी युवक ने उस बच्ची के साथ दरिन्दगी को अंजाम दिया है। रात करीब 8:30 बजे पुलिस को स्मृति वन पार्क के सामने बच्ची के खून से लथपथ और बेहोशी की हालत में होने की सूचना मिली। बच्ची के शरीर पर चोट के निशान थे। बच्ची को लाल बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां बच्ची के साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई। आरोपी ने बच्ची को जान से मारने की कोशिश की थी पुलिस आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

सरकारी व निगम स्कूलों के लिए इस साल पूरी नहीं हो पाएगी 15 हजार शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया

नई दिल्ली। राजधानी के सरकारी व नगर निगम के स्कूलों के लिए लगभग 15 हजार नियमित शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया इस साल भी पूरी नहीं हो पाएगी। दिल्ली अधिनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) ने हाईकोर्ट से शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के लिए फरवरी, 2019 तक का समय मांगा है। जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल के समक्ष डीएसएसएसबी ने इस बारे में अर्जी दाखिल की है। इसके अनुसार तय समय पर नियुक्ति प्रक्रिया इसलिए पूरी नहीं पाएगी क्योंकि इसके लिए जिस कंपनी से करार हुई थी वह इतने कम समय में आनलाइन परीक्षा पूरी करने में असमर्थ है। पहले नियुक्ति प्रक्रिया अक्तूबर, 2018 तक पूरी होनी थी। डीएसएसएसबी ने हाईकोर्ट में कहा है कि उसने इस बार शिक्षकों की भर्ती परीक्षा आनलाइन कराने का निर्णय लिया था। साथ ही कहा है कि उसने इसके लिए केंद्रीय मानवसंसाधन मंत्रालय से संबंद्ध कंपनी ईडीसीआईएल से आनलाइन परीक्षा कराने का करारा किया और मई 2018 के मध्य से 65 श्रेणी में 15 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती परीक्षाएं आनलाइन कराने का आग्रह किया। डीएसएसएसबी ने हाईकोर्ट को बताया है कि बड़े पैमाने पर शिक्षकों की नियुक्ति होने और समय कम होने के कारण ईडीसीआईएल सभी 65 श्रेणी में शिक्षकों के आनलाइन परीक्षाएं पूरी कराने में असमर्थ है। डीएसएसएसबी ने यह जानकारी देते हुए हाईकोर्ट से सरकारी व निगम स्कूलों के लिए 16 हजार शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के लिए फरवरी, 2019 तक का वक्त देने की गुहार लगाई है। हाईकोर्ट ने 20 दिसंबर, 2017 को गैर सरकारी संगठन सोशल जूरिस्ट की डीएसएसएसबी को अक्तूबर, 2018 तक 15 हजार नियमित शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी करने का आदेश दिया था।

कुछ श्रेणी में आनलाइन तो कुछ श्रेणी में आफलाइन होगी परीक्षाएं

डीएसएसएसबी ने हाईकोर्ट को बताया है कि अब कुछ श्रेणी में शिक्षकों की भर्ती परीक्षा आनलाइन और कुछ में आफलाइन होगी। जिस कंपनी से आनलाइन परीक्षा कराने का करार हुआ है, वह इसे तय समय में करने में असमर्थ है। कुल 65 श्रेणी में लगभग 16 हजार नियमित शिक्षकों की नियुक्ति होगी।

अतिथि शिक्षकों को भी मिल सकता है सेवा विस्तार

यदि डीएसएसएसबी तय समय में नियमित शिक्षकों की नियुक्ति करने में विफल रहती है तो दिल्ली सरकार के स्कूलों में अध्यापन का काम कर रहे करीब 20 हजार अतिथि शिक्षकों को सेवा विस्तार मिल सकता है।

राजनाथ सिंह की सख्ती के बाद गिरफ्तार हुआ लड़की को पीटने वाला पुलिसकर्मी का बेटा

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक युवती को बुरी तरह से पीटते हुए दिख रहे एक पुलिसकर्मी के बेटे को बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी ने द्वारका में अपने दोस्त के कार्यालय में युवती की कथित तौर पर पिटाई की थी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और टीवी चैनलों पर भी इसे दिखाया गया। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) एंटो अल्फोंस के मुताबिक युवती ने पुलिस को बताया कि आरोपी रोहित तोमर ने उसे उत्तम नगर में अपने दोस्त के कार्यालय में बुलाया था और उसका यौन उत्पीड़न किया। अल्फोंस ने बताया कि यह घटना दो सितंबर को उत्तम नगर में हुई। युवती ने आरोप लगाया है कि जब उसने कहा कि वह पुलिस में शिकायत दर्ज कराएगी, तब आरोपी ने उसे पीटना शुरू कर दिया। गृह मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा दिल्ली पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक को इस सिलसिले में आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिए जाने के कुछ घंटों बाद यह गिरफ्तारी हुई।

सिंह ने ट्वीट किया, ''एक लड़की को एक युवक द्वारा बेरहमी से पीटे जाने का एक वीडियो मेरे संज्ञान में आया है। मैंने दिल्ली पुलिस कमिश्नर से फोन पर इस बारे में बात की है और इस पर उचित कारवाई करने के लिए कहा है। वीडियो में तोमर महिला को घसीटते हुए और उसे बुरी तरह पीटते हुए दिख रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक अन्य युवती से भी शिकायत मिली है। उसने आरोप लगाया है कि उसके पुरूष मित्र तोमर ने उसे यह वीडियो दिखाया, जिसमें वह युवती को पीटते दिख रहा है। साथ ही, आरोपी ने उसे धमकी दी है कि यदि उसने उसकी नहीं सुनी, तो उसका भी यही हश्र होगा। डीसीपी (पश्चिम) मोनिका भारद्वाज ने बताया कि इसके बाद युवती गुरुवार को पुलिस के पास पहुंची और तोमर के खिलाफ पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया।

लड़की को पीटने वाले युवक पर सख्त कार्रवाई करे दिल्ली पुलिस : राजनाथ गृहमंत्री ने पुलिस कमिश्नर को दिए कार्रवाई के आदेश

शुक्रवार को जब केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने तिलक नगर में एक लड़की की एक युवक द्वारा बेरहमी से पिटाई का वीडियो देखकर पुलिस आयुक्त से इस मामले में कार्रवाई करने को कहा, तब दिल्ली पुलिस हकत में आई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, ''एक लड़की को एक युवक द्वारा बेरहमी से पीटे जाने का एक वीडियो मेरे संज्ञान में आया है। मैंने दिल्ली पुलिस कमिश्नर से फोन पर इस बारे में बात की है और इस पर उचित कारवाई करने के लिए कहा है।''डीसीपी (द्वारका) एंटो अल्फोंस के अनुसार, लड़की ने पुलिस को बताया कि आरोपी रोहित तोमर ने उसे उत्तम नगर में अपने दोस्त के ऑफिस में बुलाया था तथा उसका यौन शोषण किया। डीसीपी ने बताया कि लड़की ने आरोप लगाया है कि जब उसने कहा कि वह पुलिस में शिकायत दर्ज कराएगी तो आरोपी ने उसे पीटना शुरू कर दिया।

अल्फोंस ने बताया कि यह घटना दो सितंबर को उत्तम नगर में हुई। एक महिला से एक अन्य शिकायत मिली है कि उसके दोस्त तोमर ने उसे वह वीडियो दिखाई और धमकी दी कि अगर उसने उसकी बात नहीं मानी तो उसे भी ऐसे ही नतीजे भुगतने पड़ेंगे। डीसीपी (पश्चिम) मोनिका भारद्वाज ने कहा कि इसके बाद महिला गुरुवार को पुलिस के पास पहुंची और तोमर के खिलाफ पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया।

तीन मुठभेड़ों मे आठ आतंकियों को ढेर किया, 12 जवान जख्मी

श्रीनगर, एजेंसी। सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर में गुरुवार को तीन अलग-अलग जगहों पर हुई मुठभेड़ में आठ आतंकियों को मार गिराया। जम्मू के काकरियाल में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकी ढेर हुए। 12 जवान जख्मी हुए। मुठभेड़ के पहले आतंकी रेयासी में एक घर में घुसे थे। यहां उन्होंने बिस्किट और सेब मांगकर खाए थे। वहीं, बीएसएफ ने कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास तीन और बारामूला के सोपोर और रियासी में सुरक्षाबलों ने दो-दो आतंकियों को मार गिराया।

काकरियाल सोपोर और केरन सेक्टर में हुई मुठभेड़

काकरियाल मुठभेड़: मेजर जनरल अरविंद भाटिया ने बताया कि ट्रक पर सवार तीन आतंकियों ने बुधवार को उधमपुर के झज्जर-कोटली चेकपोस्ट पर हमला कर दिया था। इसमें एक सीआरपीएफ जवान और फॉरेस्ट गार्ड जख्मी हुआ था। सुरक्षाबलों ने बुधवार को ही आतंकियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया था। आतंकियों ने हाल ही में सांबा, बोबियां अंतरराष्ट्रीय सीमा से घुसपैठ की थी। इनकी मदद एक ट्रक ड्राइवर ने की थी। पुलिस ने वह ट्रक बरामद कर लिया है, जिससे आतंकी रेयासी तक आए थे।

सोपोर में मुठभेड़: पुलिस के मुताबिक, सुरक्षाबलों ने आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिलने के बाद गुरुवार सुबह सोपोर के चिंकीपोरा में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। उसी दौरान आतंकियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में 2 आतंकी ढेर हो गए। रक्षा मंत्रालय के सूत्र ने बताया कि मारे गए आतंकियों के शव सीमा बाढ़ के निकट हैं व उन्हें अब तक बरामद नहीं किया गया है। उधर, इलाके की अब भी तलाशी ली जा रही है। दो आतंकवादी सोपोर के अरमपोर इलाके में मारे गए।

आतंकी गिरफ्तार, गणेश चतुर्थी पर यूपी को दहलाने की थी साजिश

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एटीएस ने हिजबुल मुजाहिदीन के संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है। यूपी के डीजीपी ओपी सिंह ने जानकारी देते हुए कहा है कि गिरफ्तार आतंकी गणेश चतुर्थी पर हमले करने वाला था। वो भारतीय नागरिक है और पढ़ा-लिखा है। सवाल-जवाब के दौरान उसने ये बात कबूल की है कि वो साल 2017 में वो कश्मीर के किश्तवाड़ में ट्रेनिंग लेने गया था। हिजबुल के आतंकी का नाम कमरउजमा बताया जा रहा है। गिरफ्तार आतंकी असम के नौगांव का रहने वाला है। वो काफी दिनों से कानपुर में रेकी कर रहा था। एटीएस को उसके फोन से रेकी के कई वीडियो भी मिले हैं। पूछताछ के दौरान ये भी पता चला कि क्योंकि आतंकी भारत का ही रहने वाला है इसलिए संगठन इस आगे बढ़ा रही थी। भारतीय होने की वजह से उस पर किसी को शक भी नहीं होता। बता दें कि हिजबुल मुजाहिद्दीन एक अलगाववादी आतंकी संगठन है। इस आतंकी संगठन को मुहम्मद एहसान डार ने किया था। जम्मू-कश्मीर में ये संगठन काफी सक्रिय है।

गुरुग्राम : मंडलायुक्त ने दिए कथित मस्जिद से सील हटाने के आदेश

गुरुग्राम। मंडलायुक्त डॉ. सुरेश ने गुरुग्राम की शीतला कॉलोनी में स्थित एक कथित मस्जिद पर लगी नगर निगम की सील को हटाने के आदेश दिए हैं। यह सील निगम की टीम द्वारा शाम चार बजे तक हटाई जा सकती है। मंडलायुक्त ने यह आदेश उपायुक्त विनय प्रताप सिंह से पूरे मामले को समझने और दोनों संगठनों के प्रतिनिधियों से बात करने के बाद दिए हैं। मुस्लिम संगठनों ने मंडलायुक्त के इस फैसले का स्वागत किया है। इधर, मामले की जानकारी हिन्दू संगठनों को मिलने के बाद एक बार फिर नए सिरे से गहमा-गहमी शुरू हो गई है।

हिन्दू संगठनों की ओर से कोई भी सामने नहीं आया है। इससे पहले पुलिस ने शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे बेरी वाला बाग में धरने पर बैठे हिन्दू संगठन के लोगों को बलपूर्वक भगा दिया था।

आत्मदाह की चेतावनी के साथ अनशन कर रहे यति नरसिम्हा नंद सरस्वती समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। इसी प्रकार दोपहर में एसडीएम संजीव सिंगला की मौजूदगी में पुलिस ने मस्जिद के सामने धरने पर बैठे मुस्लिम संगठन के लोगों को भी भगा दिया और उनके टेंट-तंबू जब्त कर लिए थे।

आपस में भिड़े हिन्दू संगठन के लोग

यति नरसिम्हानंद सरस्वती की गिरफ्तारी और मस्जिद के विरोध में शुक्रवार दोपहर माता मंदिर में जुटे हिन्दू संगठन के लोग आपस में ही लड़ पड़े। इन लोगों के बीच विवाद मीडिया में बाइट देने को लेकर हुआ। हालांकि, थोड़ी देर बार संगठन के ही दूसरे लोगों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हो गया।

मौके पर तनाव कायम

मंडलायुक्त के आदेश से शाम चार बजे तक मस्जिद की सील खुलनी है। चूंकि, जुमे की नमाज इससे पहले होनी है, इसलिए एक तरफ मुस्लिम संगठन के लोग मस्जिद के पास जुटने लगे हैं। वहीं, दूसरी तरफ हिन्दू क्रांति दल के सदस्यों ने भी विरोध करने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है।

पुलिस की इंटेलिजेंस के सूत्रों के मुताबिक, इस संगठन के लोगों ने किसी कीमत पर सील नहीं खुलने देने का निर्णय लिया है। इसके लिए इनकी गोपनीय बैठक चल रही है। हालात को देखते हुए सहायक पुलिस आयुक्त संदीप मलिक और जय सिंह के नेतृत्व में मौके पर तीन थानों की पुलिस के अलावा भारी संख्या में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

मस्जिद वाली गली पर पुलिस का कब्जा

पुलिस ने मस्जिद वाली गली पर सुबह से ही कब्जा जमा रखा है। इस गली में जो लोग पहले चले गए, उन्हें छोड़ किसी को भी अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है, भले ही वह उस गली में रहने वाले ही क्यों न हों। इसके लिए गली के नुक्कड़ पर ही एक इंस्पेक्टर के नेतृत्व में आठ पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है। इसी प्रकार सौ मीटर लंबी गली के अंदर 150 से अधिक पुलिस कर्मी तीन जगह बैरिकेड लगाकर मोर्चा संभाले हुए हैं।

दहेज कानून में गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

नई दिल्ली। भारतीय दंड संहिता (आपीसी) की धारा 498ए के तहत दहेज प्रताड़ना केस में सर्वोच्च अदालत ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में गिरफ्तारी हो या नहीं ये तय करने का अधिकार पुलिस को वापस दे दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हर राज्य के डीजीपी को इस मुद्दे पर पुलिस अफसरों व कर्मियों में जागरुकता फैलाएं और उन्हें बताया जाए कि सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी को लेकर जो सिद्धान्त दिया है वो क्या है। इसके साथ ही, गिरफ्तारी से पहले दहेज प्रताड़ना की जांच के लिए सिविल सोसायटी की कमेटी बनाने की गाइडलाइन को हटाया गया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि पति और उसके रिश्तेदारों के सरंक्षण करने के लिए जमानत के रूप में अदालत के पास अधिकार मौजूद है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोर्ट इस तरह आपराधिक मामले की जांच के लिए सिविल कमेटी नियुक्त नहीं कर सकता, इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती।

सुप्रीम कोर्ट के दो सदस्यीय बेंच के फैसले को संशोधित करते हुए तीन सदस्यी बेंच ने कहा कि इस तरह कोर्ट कानून की खामियों को नहीं भर सकता। ये कार्यपालिका द्वारा कानून लाकर ही करना संभव है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। सर्वोच्च अदालत ने दोहराया कि अगर दोनों पक्षों में समझौता होता है तो कानून के मुताबिक वो हाईकोर्ट जा सकते हैं। अगर पति पक्ष कोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी दाखिल करता है तो केस की उसी दिन सुनवाई की जा सकती है। इससे पहले, इसी साल अप्रैल माह में सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में गिरफ्तारी हो या नहीं ये तय करने का अधिकार पुलिस को वापस दे दिया है।

2017 में इस मामले में चली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच ने आदेश दिया था कि दहेज उत्पीड़न की शिकायतों पर तुरंत गिरफ्तारी न हो और ऐसे मामलों को देखने के लिए हर ज़िले में फैमिली वेलफेयर कमिटी बनाया जाए। साथ ही, उसकी रिपोर्ट के आधार पर ही गिरफ्तारी जैसी कार्रवाई हो।

दो जजों की बेंच के आदेश को ही सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। याचिका दायर कर कहा गया कि कोर्ट को कानून में इस तरह का बदलाव करने का हक नहीं है। कानून का मकसद महिलाओं को इंसाफ दिलाना है लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के चलते देश भर में दहेज उत्पीड़न के मामलों में गिरफ्तारी बंद हो गई।

2017 में सुप्रीम के दो जजों की बेंच ने लगाई थी रोक

इससे पहले, जुलाई 2017 को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस आदर्श कुमार गोयल और जस्टिस यूयू ललित की दो जजों की बेंच ने महिलाओं के लिए बने कानूनों के दुरुपयोग के मामले को लेकर अहम निर्देश जारी किए थे।

अपने आदेस में कोर्ट ने दहेज उत्पीड़न कानून के दुरुपयोग की शिकायतों को देखते हुए ऐसे मामलों में तत्काल गिरफ़्तारी पर रोक लगा दी थी।

इसके अनुसार दहेज प्रताड़ना के मामलों में अब पति या ससुराल वालों की तुरंत गिरफ्तारी नहीं होगी। दहेज प्रताड़ना यानी आईपीसी की धारा 498-ए के दुरुपयोग से चिंतित सुप्रीम कोर्ट ने अहम कदम उठाते हुए इस सिलसिले में कुछ दिशा-निर्देश जारी भी किए थे।

दहेज कानून के दुरूपयोग के कई मामले आए सामने

एनसीआरबी के रिकॉर्ड के मुताबिक, साल 2009 के दौरान करीब 1 लाख 74 हजार लोगों की गिरफ्तारी 498ए के अंतर्गत हुई थी और इनमें 8,352 केस फर्जी साबित हुए।

2012 में 498ए के तहत केस दर्ज करने का रेट 93.6फीसदी रहा जबकि इसमें सिर्फ 14.3 फीसदी ही दोषी ठहराए गए थे।

प्रसंग

भाजपा की कार्यकारिणी के निहितार्थ

भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली में दो दिनों तक चली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कई ऐसी बातें सामने आईं, जो आगामी लोकसभा व विधानसभा चुनाव के लिए काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने जिस तरह से विपक्ष की गोलबंदी को खारिज करते हुए कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने की जो कोशिश की है, उसके परिणाम निःसंदेह आने वाले चुनाव में मिलेंगे।

भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली में दो दिनों तक चली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कई ऐसी बातें सामने आईं, जो आगामी लोकसभा व विधानसभा चुनाव के लिए काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। गौरतलब है कि यह बैठक 18 और 19 अगस्त को प्रस्तावित थी, किंतु अटलजी के निधन के बाद इसे टाल दिया गया था। दिल्ली के अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आठ तथा नौ सितंबर को हुई भाजपा की इस कार्यकारिणी को 2019 के लोकसभा चुनाव की जरूरी बैठकों में से प्रमुख माना जा रहा है क्योंकि इस बैठक में भाजपा ने आगामी चुनाव की रणनीति, नेतृत्व और प्रमुख मुद्दों का ब्लूप्रिंट प्रस्तुत किया है। इस बैठक में भाजपा ने वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों और लोकसभा तथा तीन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव को केंद्र में रखकर मंथन किया। इस मंथन का निचोड़ क्या निकला तथा आने वाले समय में इसका क्या असर होगा यह समझना जरूरी है। जाहिर है कि बैठक में भाजपा ने अपने राजनीतिक प्रस्ताव में 2022 तक 'नए भारत' के लक्ष्य को हासिल करने की बात की है। इस प्रस्ताव को गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने पेश किया। इस राजनीतिक प्रस्ताव में साल 2022 तक भारत को भ्रष्टाचार मुक्त, गरीबी मुक्त, भुखमरी तथा संप्रदायवाद से मुक्त भारत का विजन रखा गया है।

जाहिर है कि नए भारत की परिकल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी थी, जिसको साकार करने की दिशा में सरकार, संगठन को साथ लेकर आगे बढ़ रही है। बैठक में भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को बड़ी जीत का भरोसा देते हुए 2014 के चुनाव से ज्यादा जनसमर्थन हासिल करने का लक्ष्य रखा तथा संगठन को आगामी चुनाव के लिए कमर कसने की सलाह दी। शाह ने विपक्ष द्वारा बनाए जा रहे महागठबंधन को झूठ पर आधारित गठबंधन बताया। कांग्रेस पर हमला करते हुए भाजपा प्रमुख ने कहा कि जहां भाजपा 'मेकिंग इंडिया' पर काम कर रही है, तो कांग्रेस 'ब्रेकिंग इंडिया' में लगी हुई है। बहरहाल, एक और सबसे प्रमुख बात अमित शाह ने कही जो आने वाले चुनाव के लिए भाजपा के आत्मविश्वास को दर्शाता है। शाह ने कहा कि आगामी पचास वर्षों तक हमें कोई नहीं हरा सकता। इस बयान के क्या मायने निकाले जाएं? क्या भाजपा अमित शाह और नरेंद्र मोदी की अगुआई में वह जमीन तैयार करने लगी है, जिससे भाजपा लंबे समय तक सत्ता में काबिज रहे। इस कार्यकारिणी में भाजपा ने यह तय किया कि पार्टी अमित शाह और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेगी। इन सब के बीच कार्यकारिणी में भाजपा ने अपना सांगठनिक चुनाव भी टाल दिया है और अमित शाह की अगुआई में ही आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। सवाल यह उठता है कि अमित शाह भाजपा के लिए जरूरी क्यों हैं? अमित शाह और नरेंद्र मोदी की जोड़ी ने भाजपा को एक नए मुकाम पर पहुंचाया है। नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता व अमित शाह की संगठन संचालन की कुशलता का जो मेल है, वह भाजपा की चुनौतियों को अवसर में बदलने का काम कर रही है। यही कारण है कि विगत चार साल व चार माह में संगठन और सरकार बीच में कोई विरोधाभास नजर नहीं आया है।

अमित शाह भाजपा के लिए कितने अहम और कारगर हैं, यह बात किसी से छिपी नहीं है। संगठन और विचारधारा के विस्तार में शाह ने जिस योजना के साथ कार्य किया है वह अभूतपूर्व है। यही कारण है उनकी गिनती भाजपा के सबसे सफलतम अध्यक्षों में होती है। इसमें कोई दोराय नहीं कि जिस राजनीतिक चतुराई के साथ शाह काम करते हैं, उससे उनके सियासी विरोधी प्रायः चित नजर आते हैं। अगर यह कहा जाए कि नरेंद्र मोदी और शाह आज की राजनीति की दशा और दिशा तय करते हैं, तो यह अतिश्योक्ति नहीं होगी। संगठन को आगे बढ़ाने में शाह और सरकार के नेतृत्व में नरेंद्र मोदी इतने परिपक्व ढंग से राजनीति कर रहे हैं कि विरोधी दलों के पास इस जोड़ी की कोई काट नजर नहीं आ रही है। उसी का परिणाम है कि भिन्न-भिन्न विचारधारा की पार्टियां अपने सिद्धांतों को ताक पर रखकर इनके खिलाफ लामबंद होती हुई दिखाई दे रही हैं। इसे भाजपा सहर्ष अपनी सफलता बता रही है। इस जोड़ी की अगर सफलता की बात जब की जा रही है, तो इसके तथ्यों को भी समझना जरूरी है।

2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने और अमित शाह को संगठन की कमान सौंपी गई, तब पार्टी केवल सात राज्यों तक सिमटी थी। संगठन का विस्तार भी एक क्षेत्र विशेष में सीमित था। यही कारण था कि भाजपा विरोधी इन्हें हिंदी बेल्ट की पार्टी बोलकर चिढ़ाते थे, लेकिन इस जोड़ी ने इस तिलिस्म को तोड़ा और उन राज्यों में जहां भाजपा की पहुंच नहीं थी वहां न केवल संगठन का विस्तार किया बल्कि कम समय में ही अपनी स्थिति को इतना मजबूत कर लिया कि वहां भाजपा सरकार बनाने में सफल रही। पूर्वोत्तर के राज्य मसलन मेघालय, अरुणाचल, त्रिपुरा और असम में भाजपा को मिली जीत अमित शाह और मोदी की कुशल रणनीति की सफलता का सबसे उपयुक्त उदाहरण है। आज भाजपा अपने सहयोगी दलों के साथ 19 राज्यों में सरकार चला रही है। देश के तीन चौथाई भूभाग पर भाजपा का परचम लहरा रहा है। संगठन के स्तर पर बात करें तो जिस भाजपा के पास केवल तीन करोड़ सदस्य होते थे, आज सदस्यों की संख्या ग्यारह करोड़ को पार जा चुकी है। फिर भी अमित शाह इससे संतष्ट नजर नहीं आते हैं। जाहिर है उनकी नजर अब दक्षिण भारत के उन राज्यों पर है, जहां पार्टी सत्ता से दूर है। भाजपा कार्यकारिणी में प्रधानमंत्री ने भी स्पष्ट किया है कि लोकसभा चुनाव में विपक्ष की तरफ से कोई चुनौती नहीं है। अपने भाषण में नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर जमकर वार किया और कांग्रेस पर झूठ की राजनीति करने का आरोप लगाया। समापन भाषण में नरेंद्र मोदी 'अजेय भारत, अटल भाजपा' का नारा भी दिया। भाजपा की इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी जो निचोड़ सामने आया है उस आधार पर हम यह कह सकते हैं कि भाजपा सरकार के कार्यों, विपक्ष की नकारात्मक राजनीति तथा प्रत्येक बूथ को जीतने के लक्ष्य के साथ आगामी लोकसभा तथा तीन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में जनता के बीच जाएगी।

कुल मिलाकर, आने वाले चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा पूरी तरह कमर कसकर तैयार है। भाजपा सामाजिक न्याय पर अपनी उपलब्धियों को प्रचारित कर रही है इसीलिए पार्टी ने कार्यकारिणी की बैठक दिल्ली में नए बने अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर पर बुलाई थी। भाजपा एससी एसटी एक्ट में बदलाव और पिछड़े वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने को अपनी बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित कर रही है। हालांकि देश के कई हिस्सों में सवर्णों की नाराजगी भी उसके लिए परेशानी का सबब है। राजनीतिक हल्कों में इस मुद्दे को भाजपा के लिए संकटग्रस्त बताया जा रहा है। चुनाव के समय भाजपा इस मुद्दे से कैसे निपटेगी, यह देखना दिलचस्प होगा। इस कार्यकारिणी का एक महत्वपूर्ण संदेश रहा अभी से विधानसभा चुनावों के साथ अगले लोकसभा चुनाव के लिए काम करना। पार्टी ने तय किया कि जिन सीटों पर भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनाव में जीत हासिल नहीं की थी, वहां अभी से कार्यकर्ताओं की टीम काम करेगी। कार्यकारिणी के पूरे निष्कर्षों को देखें, तो भाजपा आत्मविश्वास से भरी है।

आदर्श तिवारी
(स्वतंत्र टिप्पणीकार)

राज-विचार

भ्रष्टाचार के प्रति दिखा कड़ा रुख

नए भ्रष्टाचार निरोधक कानून को और भी सख्त बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने जो कदम उठाए हैं, उससे उम्मीद की जानी चाहिए कि भ्रष्टाचारियों पर काफी हद तक लगाम लग सकेगी। पर जरूरत उस इच्छा शक्ति की भी है, जो अब तक असर नहीं दिखा पाई है।

भारत में भ्रष्टाचार गंभीर समस्या बना हुआ है। आज जनता के बीच आम धारणा यही है कि सरकारी महकमों में कोई भी काम बिना पैसे नहीं होता, चाहे काम छोटा हो या बड़ा। नए भ्रष्टाचार निरोधक कानून को और सख्त बनाने की दिशा में सरकार ने जो कदम उठाए हैं, उससे उम्मीद की जानी चाहिए कि भ्रष्टाचारियों पर काफी हद तक लगाम लग सकेगी। इस कानून को सख्त बनाना इसलिए भी जरूरी था कि भ्रष्टाचार को अंजाम देने वाले लोग नए विकल्प और रास्ते खोज लेते हैं और कमजोर कानून का फायदा उठाते हैं। इससे यह समस्या और गंभीर होती जा रही है। ऐसा नहीं है कि घूस के एवज में सिर्फ रुपयों की ही मांग की जाती हो। किसी काम को गैरकानूनी रूप से कराने के बदले तमाम तरह के अनुचित लाभ लेना और देना भी भ्रष्टाचार का जरिया बना हुआ है। भ्रष्टाचार निरोधक (संशोधन) अधिनियम 2018 में साफ कहा गया है कि यौन तुष्टि की मांग करने और स्वीकार करने को भी अब घूस लेना माना जाएगा। इस नए प्रवाधान के तहत अगर कोई कर्मचारी या अधिकारी इस मामले में दोषी पाया जाता है तो उसे सात साल तक की कैद की सजा हो सकती है। ऐसे अनेक मामले सामने आते रहे हैं जिनमें बतौर रिश्वत यौन तुष्टि की मांग की गई थी।

दरअसल, भ्रष्टाचार निरोधक कानून में दिक्कत यह थी कि इसमें 'अनुचित' लाभ या वित्तीय लाभ की परिभाषा स्पष्ट नहीं थी। लेकिन फरवरी 2015 में विधि आयोग ने अपना सुझाव देते हुए 'अनुचित' लाभ की जो व्याख्या की, उससे भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा और कसा है। संशोधित भ्रष्टाचार निरोधक कानून इसी साल जुलाई में नए और सख्त रूप में अमल में आया है। ऐसी ढेरों शिकायतें आती रही हैं कि घूस के बदले अधिकारी और कर्मचारी रुपयों के बजाय दूसरे लाभ की मांग करते हैं। इनमें यौन तुष्टि की मांग के अलावा विदेश यात्रा का बंदोबस्त, हवाई टिकट और होटलों का इंतजाम, महंगे उपहारों की मांग के अलावा किसी तीसरे पक्ष के जरिए चल-अचल संपत्ति खरीदने में नगदी का भुगतान, क्लब की सदस्यता हासिल करना, अपने परिवार के किसी सदस्य, रिश्तेदार या दोस्त के लिए या फिर इनकी आड़ में कुछ लाभ प्राप्त करना भी है।

यह सर्वविदित है कि आम लोगों के लिए सरकारी दफ्तरों में जायज काम कराना भी आसान नहीं है। इतना ही नहीं, नौकरी, इंटरव्यू, स्कूल-कॉलेजों में दाखिले, अस्पताल में इलाज, गरीबों के लिए चलने वाली योजनाएं तक भ्रष्टाचार की मार से त्रस्त हैं। आज जिस तेजी से इस तरह के मामले बढ़े हैं, उनसे निपटने में तीन दशक पुराना कानून बेअसर साबित हो रहा था। संशोधित कानून में मुख्य बात यह भी है कि अब घूस लेने वाले ही नहीं, बल्कि देने वाले को भी इसकी जद में लाया गया है। लेकिन इससे ज्यादा जरूरी है उस पर कारगर तरीके से अमल करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति, जो कि ज्यादातर मामलों में देखने में नहीं आती है।

हिन्दी है हमारी वाणी-विनायक

हिंदी जब हिन्दी दिवस, सप्ताह और पखवाड़ों तक सिमटकर रह गई है, तो उसकी दुर्दशा को समझना भी बहुत कठिन नहीं है। हमने भारतीय भाषाओं को पीछे छोड़कर अंग्रेजी को अपने सिर पर लाद लिया है और यह वह काम है, जो लार्ड मैकाले ने कम, हमारे अपनों ने ज्यादा कराया है। ऐसे में हिन्दी को सिर्फ युवा पीढ़ी से ही उम्मीद है मगर वह भी हिंग्लिश में फंसा है।

हिन्दी सनातनकाल से सर्वव्यापी और सर्वग्राह्य रही है। कुछ मॉडल विचारणीय हैं: आठ सौ साल पहले अमीर खुसरो ने अपने उस्ताद हजरत निजामुद्दीन औलया के निधन पर अपनी शोकाकुल भावना को हिन्दी में व्यक्त किया जबकि उनकी मातृभाषा फारसी थी:

खुसरो रैन सुहाग की जागी पी के संग।
तन मेरो, मन पीउ को, दोउ भये इकरंग।
गोरी सोवे सेज पे, मुख पर डारे केस।
चल खुसरो घर आपने, रैन भई चहुं देस।

जाने माने कवि टीएस इलियट को वेस्टलैंड शीर्षक जिस रचना पर नोबेल पुरस्कार मिला उसकी अंतिम पंक्ति थी ऊँ शांति शांति शांति। सन् 1945 में अमेरिका के प्रथम एटमबम के विस्फोट-दृश्य को सूत्ररूपेण व्यक्त करने के लिए जो शब्द मिले वे थे सूर्यकोटि समप्रभः।

राष्ट्रभाषा बनने के लिए हिन्दी किसी सरकारी घोषणा की मोहताज नहीं है। क्या सहस्राब्दियों पूर्व जन्मे शंकर (686-722 ई.) को किसी सरकार ने आदि शंकराचार्य बनाया था? क्या नरेंद्रनाथ (1863-1902) को स्वामी विवेकानंद की पदवी सरकार ने दी थी? क्या मदनमोहन मालवीय (1861-1946) को महामना की उपाधि सरकार-प्रदत्त थी? और क्या मोहनदास करमचंद गांधी (1869-1948) का महात्मा जैसा लोक-संबोधन किसी सरकार के रहमो-करम का मोहताज था? ये सभी संबोधन महामानवों को एक कृतज्ञ-राष्ट्र के सार्वजनिक प्रणाम का प्रतीक थे। तब फिर सवा सौ करोड़ भारतवासियों और करोड़ों प्रवासी-भारतीयों की भाषा हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए किसी सरकार की क्या जरूरत है? जैसे कुछ शख्सियतें लोकवासी होकर भी लोकोत्तर हो जाती हैं वैसे ही हिन्दी भी मात्र भाषा न होकर हमारी अस्मिता उपलब्धि का अभिज्ञान है।

भाषाएं, सरकार नहीं बनाया करतीं। उन्हें लोग बनाते हैं। लोक बनाता है। इन्हीं अर्थ-संदर्भों में हिन्दी हमारी लोकभाषा है। वह तो राष्ट्र के स्वभाव की सहज अभिव्यक्ति है। वह तो हमारे लिए जीवन-वेद है। आसेतु-हिमालय जिसे बोला और समझा जाता हो वह यदि हमारा वाक्-तंत्रिकातंत्र नहीं है तो और क्या है? जहां तक सरकार का प्रश्न है संसदीय-स्तर पर यह स्पष्ट किया जा चुका है कि हिन्दी राष्ट्रभाषा न होकर अंग्रेजी और कुछ प्रादेशिक भाषाओं सहित हमारी राजभाषा है। भाषा-बहुल भारत की लगभग सभी प्रादेशिक भाषायें हिन्दी की ही भांति संस्कृत-जन्मा होने के कारण उसकी अनुजा-सहोदरा हैं। हमारे लोक व हमारी लोकभाषा की वाक-संस्कृति में भाषाओं को पचाकर अपना बना लेने की क्षमता के दृष्टिगत अंग्रेजी हमारी चिंता का विषय नहीं होना चाहिए।

तमाम धर्मों और संस्कृतियों की भांति हम अंग्रेजी को पचा चुके हैं। हमारी झाड़ू-पोछे वाली बाइयों ने अपने शराबी पतियों के कारण टेन्सन (टेंशन) शब्द को आम-फहम बना लिया है। यदि किसी दिन आपके घर में ज्यादा बर्तन निकलें तो बरतन मांजने वाली बाई तुरंत 'एक्स्ट्रा पेमेंट' मांगने लगती है। हम अंग्रेजी अपने लबो-लहजे से बोलते हैं। उदाहरण के लिए आप मध्यप्रदेश के बघेलखंड क्षेत्र में हैं। वहां का एक सामान्य नागरिक शिकायत करता है कि हम रोज सुबह-शाम जजेज-कोर्ट (अदालत) जाते हैं लेकिन जज नहीं मिलता। अब क्या अपने प्राण दे दें? हम बघेलखंडी इसी बात को अपनी अंग्रेजी मिश्रित शैली में कुछ इस तरह कहेंगे- मोरनिंगऊ का अईत हैं। इवनिंगऊ का जइत हैं। जज्जी गे रहे। सार जज्जवा नईं मिला। अबका आपन ज्यू दै देइ? सभी प्रांतों ने अंग्रेजी को अपनी-अपनी भाषाओं की सहचरी बनाकर तमिलियन-अंग्रेजी, बंगाली-अंग्रेजी और भोजपुरी-अंग्रेजी बना दिया है। उसका भारतीकरण हो चुका है।

हिन्दी को राजपथ का आसरा नहीं चाहिए। वह जनपथ पर सर्वव्यापी है। उसे अंग्रेजी या प्रादेशिक भाषाओं को लेकर कोई चिंता नहीं है। किंतु हिन्दी को स्वयं हिन्दी-भाषियों से चिंता होना चाहिए। हमने त्रिभाषा-फार्मूला नहीं अपनाया जिसमें हिन्दी-अंग्रेजी के अलावा एक प्रादेशिक भाषा सीखने का सुझाव था। हमारे देश की ही प्रादेशिक भाषों के प्रति हमारा जो व्यवहार है उनकी प्रतिक्रिया भी हमारे प्रति वैसी ही तो होगी। हमारे देश में एक नवधनाढ्य मध्यमवर्ग अपनी अधकचरी अंग्रेजी को स्टेटस सिम्बल मान बैठा है। वह अपने बच्चों को इंग्लिश-मीडियम स्कूलों में भारी फीस देकर भरती करने के लिए तीन बजे रात से क्यू में खड़ा रहता है। हमारे तिरसठ-चौंसठ से अनभिज्ञ बच्चे सिक्स्टी थ्री और सिक्स्टी फोर बोलते हैं। हमारी गृहलक्ष्मियां ग्रीन टी का सेवन करके ठेले वाले से फ्रेश वेजिटेबल देने का आग्रह करती हैं।

भोपाल स्थित अटल बिहारी विश्वविद्यालय में हिन्दी माध्यम के तकनीकी पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विद्यार्थी नहीं मिलते। सही या गलत हमारी नौजवान पीढ़ी के मन में यह बात तो बैठ गई है कि अंग्रेजी जैसी विदेशी भाषा के बिना स्वदेश में भी जीविका के साधन या नौकरी मिलना मुश्किल है। आज के भूमंडलीकृत बाजारू विश्वग्राम के निवासी विश्वगुरुओं को अपने गुरुत्वाकर्षण हेतु नई कसौटी खोजनी होगी। सवाल हमारी भावी पीढ़ी का है। बोलचाल की हिन्दी में अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं-बोलियों के शब्द आना स्वाभाविक है। किंतु लिखित हिन्दी में जानबूझकर अंग्रेजी शब्दों के थींगड़े लगाना चिंता पैदा करता है। हमारा प्रेस और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया इस भाषाई-अपसंस्कृति को इरादतन प्रोत्साहन दे रहा है।

मिसाल के तौर पर एक प्रतिष्ठित हिन्दी दैनिक का एक शीर्षक देखें: 'कैरेक्टर-बेस्ड हेयर लुक विमेन च्वाइस।' 'क्या चरित्र-आधारित केश विन्यास महिलाओं की पसंद' लिखना आम आदमी की समझ में नहीं आता? कुछ दिनों पहले भोपाल के कुछ प्रबुद्ध हिन्दीसेवियों ने एक बैठक करके तय किया कि मीडिया में जो हिंगलिश चल रही है उसके प्रति चिंता सर्वसंबंधितों को व्यक्त की जाए। एक अतिउत्साही हिन्दी भक्त ने तो यहां तक कह दिया कि जो अखबार ऐसी भाषा लिखते हैं उन्हें न खरीदें। हम स्वयं से पूछें कि क्या इस दिशा में वास्तव में हमने कोई सकारात्मक पहल की? भाषा को साजिशन भ्रष्ट करने के सुनियोजित प्रयास को जाषुआ फिशमैन ने भाषा के क्रियोलाइजेशन की संज्ञा दी है। जो हिन्दी भक्त मॉरीशस को हिन्दी की वैकल्पिक राजधानी मानकर विश्व हिन्दी सम्मेलनों में फोटो-ऑप करते हैं, वे क्रियोल शब्द से भली भांति परिचित होंगे। वहां फ्रांसीसियों और स्थानीयों का रक्त मिश्रण हुआ है। इसी प्रकार फ्रेंच-अंग्रेजी और स्थानीय भाषा से उत्पन्न वर्णसंकर भाषा को क्रियोल कहते हैं। हमारे देश में हिंगलिश यही कर रही है। रही-सही कमी वोट बैंक के चक्कर में राजनीति ने पूरी कर दी। हिन्दी भाषियों के संख्या बल को तोड़ने के प्रयास हो रहे हैं।

17वीं सदी में मराठीभाषी शिवाजी और कविवर भूषण की वार्ता इस प्रसंग में मननीय है। भूषण ने शिवाजी से कहा कि मैं मराठी सीखकर आपका जीवन चरित्र लिखना चाहता हूं। शिवाजी ने अनुरोध किया कि मराठी क्यों? हिन्दी में लिखो। इस प्रसंग पर भूषण ने लिखाः शिवराज चरित्र लिख्यो कविभूषण के चित्त। भांतिभांति भूषित करयो निज भाषा कवित। हिन्दी को कमजोर करना राष्ट्रीय एकता को कमजोर करना है। 14 अगस्त, 1947 तक जो हिन्दी, देश की राष्ट्रीय एकता और स्वाधीनता संग्राम की वाणी विनायक रही, वही 26 जनवरी, 1950 से लागू हमारे संविधान में अंग्रेजी की हांशियाग्रस्त सहचरी बन गई। यदि शब्दब्रह्म ही परमब्रह्म है तो भारतेन्दु हरिश्चंद्र के ब्रह्मनाद को प्रतिध्वनित करें:

अंग्रेजी पढ़ि के जदपि सब गुन होत प्रवीन।
पै निज भाषा ज्ञान बिनु रहत दीन के दीन।।

घनश्याम सक्सेना
(वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार)

ट्विटर

भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार ने आते ही इरादे साफ कर दिए थे। उन लोगों को सरकार सख्त संदेश देने की कोशिश कर रही है, जो अब तक बचे हुए थे।

जितेंद्र सिंह, केंद्रीय मंत्री

भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की नीति क्या है, यह सभी को पता चल चुका है। मोदी सरकार चेहरा देखकर कार्रवाई करने में यकीन रखती है और बातें खूब करती है।

मनीष तिवारी, कांग्रेस नेता

सत्यार्थ

बेहतर और अच्छा इंसान बनें

कई सुख-सुविधाओं के बावजूद इंसान कहीं-न-कहीं बेचैन है। सब कुछ मिल गया, तो भी वह खुश नहीं रह पाता। कभी उसे अपने सहकर्मी के प्रमोशन से दुख होता है, तो कभी पड़ोसी के यहां नया सामान आ जाने से। लेखक डेल करनेगी की मानें, तो पैसे की गरीबी इतनी दुखदायी नहीं है, जितनी प्रगति के लिए आकुलता की कमी। कारनेगी अपनी किताब 'द लीडर इन यू' में लिखते हैं कि इंसान को मानव बनाने वाले गुण हैं- सहजता, सरलता, सादगी और स्वीकार्यता। सहजता यानी जो जैसा है, उसे वैसा ही स्वीकार कर लेना। स्थान, समय व वातावरण के अनुसार ढल जाना ही सादगी है। स्वीकार्यता- जो सबको स्वीकार करता है, उसे भी सब लोग स्वीकार करते हैं। जैसे-जैसे आयु बढ़ती है, हम इन मौलिक गुणों से दूर होने लगते हैं। सहजता के स्थान पर दिखावा व आडंबर हावी होने लगता है। हमें लगता है कि एकमात्र हम सही हैं, बाकी सब गलत हैं। हम किसी को उतने ही समय तक स्वीकार करते हैं, जितने समय तक हमें उसकी जरूरत होती है। जरूरत खत्म, तो स्वीकार्यता खत्म। इससे हमारा जीवन तनावों से भर जाता है। न हम व्यक्तिगत जीवन में सही रह पाते हैं और न ही व्यावहारिक जीवन में। इस संदर्भ में विद्वान लॉयड शीयरर कहते हैं कि हमें अपनी आम जिंदगी में छोटों के साथ नरमी से, बड़ों के साथ करुणा से, संघर्ष करने वालों के साथ हमदर्दी से और कमजोर एवं गलती करने वालों के साथ सहनशीलता से पेश आना चाहिए। हम सभी कभी-न-कभी इनमें से किसी स्थिति से गुजरते हैं। यही हकीकत हमारे इंसान होने की आकांक्षा है। प्रत्येक संवेदनशील चाहता है कि वह समृद्ध या संपन्न होने से पहले एक बेहतर और अच्छा इंसान बने। दुनिया में आने का सही अर्थ भी तो यही है।

शशिप्रभा तिवारी

न्यूज

बड़े भाई के खिलाफ याचिका वापस लेंगे शिविंदर

नई दिल्ली। फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रवर्तक शिविंदर मोहन सिंह ने गुरुवार को कहा कि वह राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण एनसीएलटी में अपने बड़े भाई मालविंदर सिंह तथा रेलिगेयर के पूर्व प्रमुख सुनील गोधवानी के खिलाफ याचिका वापस लेने जा रहे हैं। शिविंदर ने इस बारे में एनसीएलटी में आवेदन किया है। शिविंदर ने इससे पहले आरोप लगाया था कि उनके बड़े भाई तथा गोधवानी की गतिविधियों की वजह से कंपनियों तथा उनके शेयरधारकों का हित प्रभावित हुआ है। शिविंदर मोहन सिंह ने कहा, मैंने एनसीएलटी में याचिका वापस लेने के लिए आवेदन कर दिया है। मध्यस्थता की प्रक्रिया शुरू की गई है। यदि इससे बात नहीं बनती है तो मेरे पास अपील दोबारा दायर करने का विकल्प होगा।

गणेश चतुर्थी पर बंद रहे शेयर और मुद्रा बाजार

मुंबई। गणेश चतुर्थी के मौके पर गुरुवार को शेयर तथा मुद्रा बाजार बंद रहे।कारोबारियों ने बताया कि गुरुवार को अवकाश का दिन होने के कारण शेयर बाजारों के किसी भी प्लेटफॉर्म पर कोई कारोबार नहीं हुआ। इसके साथ मुद्रा बाजार भी बंद रहा। कारोबारियों के अनुसार, शुक्रवार से बाजार में सामान्य कारोबार होगा।

बैंक ऑफ इंडिया का एनपीए के खिलाफ एक्शन तेज

नई दिल्ली। बैंक ऑफ इंडिया ने एनपीए से छुटकारा पाने पर एक्शन तेज कर दिया है। बैंक ने 8 हजार 831 करोड़ रुपए के 45 एनपीए बेचने के लिए बोली मंगाई है। आपको बता दें कि कल एसबीआई और आंध्रा बैंक ने भी बड़े एनपीए के लिए बोली मंगाई थी। यानि सरकारी बैंक एनपीए से निपटारे के लिए हरकत में आ गए हैं।

चौथे प्लांट के लिए जमीन की तलाश में मारुति

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी भारत में अपने चौथे प्लांट के लिए जमीन तलाश रही है। कंपनी ने हरियाणा सरकार से नए प्लांट के लिए जमीन मांगी है। मारुति सुजुकी की गुरुग्राम प्लांट से मैन्युफैक्चरिंग नए प्लांट में शिफ्ट करने की तैयारी है। इसके लिए सोहना में 1200 एकड़ जमीन के लिए कंपनी ने हरियाणा सरकार को चिट्ठी लिखी है।

इस्पात स्क्रैपेज पर नीति जल्द

कैबिनेट नोट जल्द ही तैयार होने की उम्मीद

नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय इस्पात के स्क्रैपेज को लेकर एक नीति बना रही है, जिसका कैबिनेट नोट जल्द ही तैयार होने की उम्मीद है। इस्पात मंत्री चौधरी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस्पात के पुराने उत्पादों की स्क्रैपेज नीति पर कैबिनेट नोट जल्द तैयार कर लिया जायेगा और मंत्रालय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की वाहन स्क्रैपेज नीति का इंतजार किये बिना अपनी अलग नीति बनाने की दिशा में आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ पुराने वाहनों को स्क्रैप करने से ही 70 लाख टन इस्पात बनाया जा सकता है। इसमें 40 प्रतिशत उत्तर भारत में उपलब्ध होगा जिससे उत्तर भारत में भी इस्पात उद्योग विकसित हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि उत्तर भारत में खनिजों की उपलब्धता नहीं होने के कारण इस क्षेत्र में धातु उद्योग का विकास नहीं हो पाया है। इस्पात सचिव विनय कुमार ने बताया कि यूरोपीय संघ द्वारा इस्पात के आयात पर 25 प्रतिशत अस्थायी सीमा शुल्क लगाये जाने के मुद्दे पर सरकार वहां के अधिकारियों से बात कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय निर्यात से यूरोप का इस्पात उद्योग प्रभावित नहीं होगा क्योंकि यहां से होने वाला निर्यात काफी कम है। इसलिए, हमने उनसे भारतीय इस्पात को सीमा शुल्क से बाहर रखने का अनुरोध किया है।

कोकिंग कोल पर आयात शुल्क घटाने को लेकर बातचीत जारी

श्री सिंह ने कहा कि अमेरिका के साथ ही यूरोपीय संघ में निर्यात को लेकर आ रही समस्याओं से भी सरकार अवगत है तथा वह इन्हें दूर करने के उपाय कर रही है। इसके अलावा क्षेत्र के लिए कम दर पर कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी वह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि कोकिंग कोल पर आयात शुल्क घटाकर शून्य करने के लिए वित्त मंत्रालय के साथ बात चल रही है। उल्लेखनीय है कि इस्पात उद्योग में कोकिंग कोल का भारी मात्रा में इस्तेमाल होता है। इस कोयले के लिए भारत मुख्य रूप से आयात पर निर्भर है। अभी इसके आयात पर 2.5 प्रतिशत आयात शुल्क है।

इस्पात पर अमेरिकी शुल्क भारत के लिए चिंता का कारण नहीं : सरकार

सरकार ने कहा कि इस्पात आयात शुल्क में अमेरिका द्वारा की गयी बढ़ोतरी फिलहाल भारत के लिए चिंता का कारण नहीं है, हालांकि देश में इस्पात की डंपिंग रोकने के लिए वह पूरे उपाय करेगी। इस्पात मंत्री चौधरी वीरेंद्र सिंह ने यहां द्वितीयक इस्पात क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाली कंपनियों को पुरस्कृत करने के बाद कहा, हमारे इस्पात निर्यात का मात्र 0.31 प्रतिशत अमेरिका को जाता है और इसलिए अमेरिका द्वारा सीमा शुल्क बढ़ाने का कोई खास प्रभाव नहीं हुआ है। पिछले कुछ समय में इस्पात निर्यात में मामूली गिरावट जरूर आयी है, लेकिन फिलहाल यह चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने स्वीकार किया कि अन्य देश उनके यहां से अमेरिका को होने वाले सात से साढ़े सात करोड़ टन इस्पात को दूसरी जगह डंप करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि अब तक डंपिंग को लेकर कोई चिंता की स्थिति नहीं बनी है, लेकिन यदि भविष्य में ऐसा होता है तो सरकार इसे रोकने के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार करेगी।

इस्पात उद्योग के नवाचार अग्रदूत होंगे पुरस्कृत

नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय ने इस उद्योग में अच्छा नवाचार करने वालों को पुरस्कृत करने की घोषणा की तथा प्रस्ताव किया है कि इस्पात क्षेत्र से पद्म पुरस्कारों के लिए मंत्रालय की अनुशंसा के साथ नाम भेजे जाने चाहये। इस्पात मंत्री चौधरी वीरेंद्र सिंह ने यहां वर्ष 2016-17 के द्वितीयक इस्पात उद्योग पुरस्कारों के वितरण के बाद कहा कि इस्पात उद्योग में किसी भी पेटेंटेड नवाचार या अनुसंधान के लिए पुरस्कार की स्थापना की जायेगी। उन्होंने इसके लिए नवाचार अग्रदूत पुरस्कार नाम का सुझाव दिया है। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2017-18 के लिए दूसरे पुरस्कारों के लिए अक्टूबर में नाम आमंत्रित किया जायेंगे। गुरुवार को 12 कंपनियों को गोल्ड श्रेणी में और 14 को सिल्वर श्रेणी में पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा कई अन्य कंपनियों को प्रशस्ति पत्र दिये गये। श्री सिंह ने सुझाव दिया कि खेल की तरह ही इस्पात क्षेत्र से भी यदि किसी का नाम पद्म पुरस्कारों के लिए भेजा जाता है तो मंत्रालय को भी इसकी सूचना दी जानी चाहिये ताकि मंत्रालय उस पर अपनी अनुशंसा दे सके।

1320 करोड़ रुपए वसूलने के लिए 21 एनपीए खातों को बेचने की तैयारी

एनपीए खातों को बेचेगा पीएनबी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नैशनल बैंक 1320 करोड़ रुपए के फंसे कर्ज की वसूली के लिए करीब 2 दर्जन गैर निष्पादित परिसंपत्ति खातों को बेचने जा रहा है। बैंक ने इसके लिए बोली आमंत्रित की है। बैंक के फंसे कर्ज की वसूली का काम संभालने वाले विभाग ने कुल 21 खातों की बिक्री की पेशकश की है। इन पर कुल 1320.19 करोड़ रुपए का कर्ज है। पीएनबी ने अधिसूचना में कहा, हम इन एनपीए खातों को संपत्ति पुनर्गठन कंपनियों, बैंकों, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों, वित्तीय संस्थानों को बेचना चाहते हैं। यह नियामकीय दिशानिर्देशों और बैंक की नीति में उल्लेखित नियमों और शर्तों के अनुरूप है। बैंक ने कहा कि केवल ई-नीलामी के माध्यम से ही बोली जमा की जा सकेगी। ई-नीलामी 20 सितंबर से बैंक के पोर्टल पर शुरू होगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले पीएनबी ने अप्रैल में 3 और जुलाई में भी 3 एनपीए खातों की बिक्री की थी। इन पर 350 करोड़ रुपए से अधिक का बकाया था।

इन खातों की होगी बिक्री

मोजर बेयर सोलर	233.06 करोड़ रुपए
डिवाइन एलॉय ऐंड पावर	200.87 करोड़ रुपए
डिवाइन विद्युत	132.66 करोड़ रुपए
चिंचोली शुगर ऐंड बायो इंडस्ट्रीज	114.42 करोड़ रुपए
अर्शिया नॉर्दन	96.70 करोड़ रुपए
बिरला सूर्या	73.58 करोड़ रुपए

धीमी पड़ी ग्रोथ की रफ्तार

नई दिल्ली। जुलाई में ग्रोथ की रफ्तार धीमी पड़ती नजर आई है। जुलाई में आईआईपी ग्रोथ 6.6 फीसदी रही है जबकि जून में आईआईपी ग्रोथ सात फीसदी के स्तर पर रही थी। महीने दर महीने आधार पर जुलाई में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ 6.9 फीसदी से बढ़कर सात फीसदी रही है। महीने दर महीने आधार पर जुलाई में माइनिंग सेक्टर की ग्रोथ 6.6 फीसदी से घटकर 3.7 फीसदी रही है। महीने दर महीने आधार पर जुलाई में इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर की ग्रोथ 8.5 फीसदी से घटकर 6.7 फीसदी रही है। महीने दर महीने आधार पर जुलाई में कैपिटल गुड्स की ग्रोथ 9.6 फीसदी से घटकर तीन फीसदी रही है। महीने दर महीने आधार पर जुलाई में प्राइमरी गुड्स की ग्रोथ 9.3 फीसदी से घटकर 6.9 फीसदी रही है। महीने दर महीने आधार पर अप्रैल में कंज्यूमर ड्युरेबल्स गुड्स की ग्रोथ 13.1 फीसदी से बढ़कर 14.4 फीसदी रही है।

जुलाई में आईआईपी वृद्धि दर 6.6 फीसदी पर

स्पीड में रिलायंस जियो सातवें महीने अव्वल

नई दिल्ली। देश के दूरसंचार क्षेत्र में महज दो वर्ष पहले पदार्पण करने वाली रिलायंस जियो के नये कीर्तिमान बनाने का सिलसिला जारी है। कंपनी स्पीड टेस्ट में इस क्षेत्र की अन्य कंपनियों को काफी पीछे छोड़ते हुए जुलाई में 22.3 एमबीपीएस औसत 4जी डाउनलोड स्पीड के साथ लगातार सातवें माह अव्वल रही है। दूरसंचार नियामक ट्राई के गुरुवार को प्राप्त हुए आंकड़ों के अनुसार जुलाई में अन्य कंपनियां इस मामले में रिलायंस जियो की तुलना में बहुत पीछे रही । जियो के 22.3 एमबीपीएस 4जी डाउनलोड स्पीड की तुलना में दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एयरटेल 10 एमबीपीएस 4जी डाउनलोड स्पीड के साथ दूसरे स्थान पर रही । वोडाफोन 6.7 एमबीपीएस के साथ तीसरे और आईडिया 6.2 एमबीपीएस के साथ चौथे स्थान पर रही।

आईटी और फार्मा में आएगी नौकरियों की बहार

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में इन दो सेक्टर्स में बंपर नौकरियां निकलने वाली हैं। आईटी सेक्टर में जोरदार हायरिंग शुरू हो चुकी है तो फार्मा ग्रेजुएट्स को एक रौबदार नौकरी करने का मौका मिलने वाला है। विशेषज्ञ भी कह रहे हैं कि दोनों ही सेक्टर में नौकरियों के शानदार मौके आ रहे हैं।

आईटी सेक्टर में वित्त वर्ष 2019 की पहली तिमाही में 24000 नौकरियां मिलने की उम्मीद है। जबकि वित्त वर्ष 2018 में इस सेक्टर में सिर्फ 13000 नौकरियां मिली थीं। अगले तीन साल में इस सेक्टर में नौकरियों के अवसर और बढ़ेंगे। टीसीएस, कांग्निजेंट, एचसीएल, इंफोसिस, विप्रो में नौकरियों अच्छे

मौके हैं। टीसीएस को 5.6 अरब डॉलर का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। वहीं, विप्रो के पास 1.6 बिलियन डॉलर के कांट्रैक्ट हैं। आगे आईटी ग्रेजुएट्स के लिए आउटसोर्सिंग के काम की भरमार रहने की संभावना है। डेटा एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म के लिए आईटी वेंडर्स की जरूरत बढ़ रही है।

इन सेक्टर में कुल एक लाख पद

इसके अलावा बीमा कंपनियों, कॉल सेंटर, रिसर्च सेंटर, डॉक्टरों, नर्स, पैरामेडिकल कर्मचारी, टैक्नीशियन के 1 लाख पद सृजित होने की उम्मीद है। जिससे इंजीनियर्स के अलावा फार्मा ग्रेजुएट्स को भी मौका मिलेगा। निजी अस्पतालों में भी 80 हजार पद मेडिकल डिवाइस स्पेशलिस्ट के सृजित होंगे। मेडिकल डिवाइस पॉलिसी के तहत हर अस्पताल में मेडिकल डिवाइस एक्सपर्ट रखना अनिवार्यर्य हो सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक आकलन में यह जानकारी सामने आई है। जल्द ही एक लाख आयुष्मान मित्र की भर्ती की जाएगी।

बाजार समीक्षा | **अगस्त के दौरान सोना आयात बढ़कर करीब 100 टन**

स्वर्ण आभूषण निर्यात दोगुना बढ़ा

इंदौर। डॉलर के मुकाबले रुपए के भारी अवमूल्यन से निर्यातकों का लाभ मार्जिन बढ़ रहा है, जिससे निर्यात में जोरदार बढ़ोत्तरी होने की संभावना जताई जा रही है। भारत से चालू वित्त वर्ष के प्रथम चार माह अप्रैल से जुलाई तक स्वर्ण आभूषण निर्यात में दोगुना से अधिक वृद्धि दर्ज हुई है। हालांकि इस दौरान रत्नाभूषण निर्यात गत वर्ष के मुकाबले कुछ कमजोर रहा है।

गौरतलब है कि चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से जुलाई तक की अवधि में स्वर्ण आभूषण निर्यात 4.28 अरब डॉलर मूल्य का हुआ, जो कि गत वर्ष इसी अवधि में 2.09 अरब डॉलर मूल्य का हो सका था। दिलचस्प बात यह है कि कौच्चि के विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) से खेप भेजने के बाद निर्यात में अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। अप्रैल से जुलाई के बीच यह 221 फीसदी

की बढ़त दर्ज करा गया। उक्त अवधि के दौरान भारत से रत्नाभूषणों का निर्यात में कमी दर्ज हुई है। अप्रैल से जुलाई के दौरान रत्नाभूषण निर्यात 10.638 अरब डॉलर मूल्य का हुआ, जो कि पिछले वर्ष इसी अवधि में 11.126 अरब डॉलर का हुआ था। भारत में गत अगस्त माह के दौरान सोने का आयात 100 टन पर पहुंच गया, जो कि मई 2017 के बाद किसी भी एक माह में होने वाला सबसे अधिक आयात था। जुलाई में 68 टन व जून में 59 टन सोना आयात हुआ था।

सरकार द्वारा 20 कैरेट सोने की हॉलमार्किंग पर विचार

सोने की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार एक बार फिर हॉलमार्किंग नियमों में कुछ संशोधन कर सकती है। देशभर के ज्वैलर्स और ग्राहकों की मांग पर अब 14, 18 व 22 कैरेट स्वर्ण आभूषण के साथ 20 कैरेट के सोने की हॉलमार्किंग पर भी विचार किया जा रहा है। ज्वैलर्स का कहना है कि मार्केट में सबसे ज्यादा डिमांड 80-85 फीसदी शुद्धता वाले सोने की होती है, लेकिन 75 और 91 फीसदी शुद्धता के बीच के दो हॉलमार्किंग कैरेट प्वाइंट खत्म करने से व्यापार प्रभावित हो रहा है। हॉलमार्किंग को रेगुलेट और मॉनिटर करने वाले ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड के डिप्टी डायरेक्टर जनरल एम.सदाशिवम ने बताया, 20 कैरेट 83.3 फीसदी शुद्ध सोने की हॉलमार्किंग की इजाजत देने की मांग देशभर से आ रही है। हॉलमार्क सेंटर और सर्टिफाइड ज्वैलर्स की तादाद भी बढ़ रही है। उन्होंने उन अटकलों को खारिज किया कि दिसंबर से हॉलमार्किंग अनिवार्य होने वाली है और इसका निश्चित समय तय करना बीआईएस के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। सूत्रों के अनुसार सरकार हॉलमार्किंग को पूरी तरह विश्वसनीय और लोकप्रिय बनाने के बाद ही अनिवार्य करना चाहती है। लिहाजा, हाल फिलहाल हॉलमार्किंग ऐच्छिक ही बना रहेगा।

पॉलिसीबाजार ने लॉन्च किया कैशलैस क्लेम फीचर

गुरुग्राम। इंश्योरटेक ब्रांड और भारत की सबसे बड़ी इंश्योरेन्स वेबसाईट एवं कम्पेरिजन पोर्टल पॉलिसीबाजार डॉटकॉम ने क्लेम की आसान एवं जल्दी प्रोसेसिंग और सेटलमेन्ट के लिए अपने ऐप पर सेल्फ-वीडियो कैशलैस क्लेम फीचर का नया वर्जन लॉन्च किया है। पब्लिक सेक्टर इन्श्योरर, न्यू इंडिया अश्योरेंस एवं युनाईटेड इंडिया इंश्योरेन्स ने सबसे पहले इस नए फीचर को अपनाया है और उपभोक्ताओं को एक्सीडेंटल क्लेम के लिए सेटलमेन्ट सुविधाएं उपलब्ध कराने पॉलिसीबाजार डॉटकॉम के साथ हाथ मिलाए हैं। याशीष दहिया, सह-संस्थापक एवं सीईओ, पॉलिसीबाजार ग्रुप ने कहा, हम अपने संगठन में उपभोक्ताओं को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं। उपभोक्ताओं को बीमा सेवाओं का बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के लिए हमने नए पीबी क्लेम फीचर लॉन्च किया है। इस ऐप से अनुमोदन, नॉन-रिपेयर टाईमलाईन दो दिनों से कम होकर मात्र दो घंटे हो जाएगी।

कंपनी कानून में संशोधन हुए प्रभावी

नई दिल्ली। सरकार ने कंपनी कानून, 2013 में संशोधन को अधिसूचित कर दिया है और इसके साथ ही कंपनी संशोधन कानून, 2017 के जरिये किये गये पांच संशोधन प्रभावी हो गये हैं। कंपनी कानून, 2013 की पांच धाराओं 196, 197, 198, 200 और 201 को संशोधित किया गया है। अब ये सभी संशोधित धारायें प्रभावी हो गयी हैं। इसके प्रभावी होने के साथ ही अब कंपनियों को अपने प्रबंधकीय कर्मियों के सेवानिवृत्ति लाभ भुगतान के लिए केन्द्र सरकार की अनुमति नहीं लेनी होगी। कार्याधिकारियों और गैर-कार्यकारी निदेशकों को निर्धारित सीमा से अधिक का भुगतान करने के लिए अब एक विशेष प्रस्ताव के जरिये शेयरधारकों की अनुमति लेनी होगी। सरकार ने कहा है कि इससे कंपनी के शेयरधारक सशक्त होंगे और कंपनियों के कामकाज में सरकारी नीतियों का दखल कम होगा।

एपल ने लॉन्च किये नये आईफोन

भारत में कीमत 1,44,900 रुपए तक

नई दिल्ली। अत्याधुनिक स्मार्टफोन बनाने वाली अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी एपल ने आईफोन एक्स का विस्तार करते हुये बड़े स्क्रीन में नये फोन आईफोन एक्स आर, एक्स एस और एक्स एस मैक्स के साथ ही ईसीजी प्रदर्शित करने वाला एपल वॉच सीरीज 4 लॉन्च किया है।

कंपनी ने अमेरिका स्थित अपने मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नये उत्पाद लॉन्च करने की घोषणा की। कंपनी ने सभी नये आईफोन के तीन मॉडल उतारे हैं। एपल परिवार में सबसे बड़े स्क्रीन 6.5 इंच वाले आईफोन एक्स एस मैक्स में 64 जीबी वाले फोन की कीमत भारत में 1,09,900 रुपए, 256 जीबी वाले फोन की कीमत 1,24,900 रुपए और 512 जीबी वाले फोन की कीमत 1,44,900 रुपए होगी। इसी तरह से 5.8 इंच वाले आईफोन एक्स एस में 64 जीबी मॉडल की कीमत 99,900 रुपए, 256 जीबी की कीमत 1,14,900 रुपए होगी। 6.1 इंच स्क्रीन वाले आईफोन एक्स आर के भी तीन मॉडल उतारे गये है। अमेरिका सहित दुनिया के 50 देशों में एक्स आर की प्री बुकिंग 19 अक्टूबर से शुरू होगी और 26 अक्टूबर से आपूर्ति शुरू की जायेगी। भारत में इसकी आपूर्ति 28 सितंबर से शुरू होगी।

स्किलिंग से रोजगार के साथ आर्थिक विकास को मदद मिलेगी

कारोबार को करना पड़ रहा विरोधाभास का सामना

नई दिल्ली। केन्द्रीय वाणिज्य, उद्योग एवं नागर विमानन मंत्री सुरेश प्रभु ने गुरुवार को कहा कि स्किलिंग से न सिर्फ अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार के लिए दक्ष बनाया जा सकेगा बल्कि इससे आर्थिक विकास में भी मदद मिलेगी। श्री प्रभु ने 14वें इंडो यूएस आर्थिक शिखर सम्मेलन में भारतीय श्रमबल की स्किलिंग का उल्लेख करते हुये कहा कि देश के कारोबार को अभी बहुत ही

विरोधाभास का सामना कर रहा है। एक तरफ बहुत से युवा रोजगार की तलाश में है जबकि दूसरी ओर उद्योग एवं कारोबारी कहते हैं कि वे दक्ष लोगों की तलाश कर रहे हैं। इस अंतर को पाटने के लिए भारत में स्किल आधारित अर्थव्यवस्था का विकास करना होगा। उन्होंने स्किलिंग को अर्थव्यवस्था में तेजी लाने वाला बताते हुए कहा कि सभी क्षेत्रों में स्किलिंग पर अधिक ध्यान दिये जाने का अपना मूल्य और आर्थिक संभावनाएं है।

विस्तारा की हर फ्लाइट में इंटरटेनमेंट की सुविधा

टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस की संयुक्त उपक्रम वाली कंपनी विस्तारा की हर फ्लाइट में अब इंटरटेनमेंट की सुविधा होगी। कंपनी ने बताया कि अब से उसके हर विमान में 'विस्तारा वर्ल्ड' उपलब्ध होगा। यात्री अपने स्मार्ट डिवाइस या लैपटॉप पर इसे चला सकेंगे। वे बॉलीवुड और हॉलीवुड के 70 घंटे के चुनिंदा कंटेन्ट देख सकेंगे। उसने बताया कि उसके कंटेन्ट हर महीने बदलते रहते हैं। यात्री कई तरह की फिल्में, भारतीय और पश्चिमी टीवी कार्यक्रम तथा भारतीय, पॉप, जैज, रॉक, इंग्लिश रिट्रो जैसे म्यूजिक का आनंद ले सकेंगे। साथ ही विस्तारा वर्ल्ड पर यात्री अपने विमान को बढ़ते हुये मानचित्र पर देख सकते हैं।

सिएट आयुष्मान ट्रैक्टर मीट ने फैलाई जागरूकता

नई दिल्ली। टायर बनाने वाली कंपनी सिएट लिमिटेड ने अशोक नगर में किसान समुदाय के लिए जागरूकता शिविर आयुष्मान ट्रैक्टर मीट का आयोजन किया। यह ट्रैक्टर मीट बहुत सफल रही और अनेक किसानों ने इसमें हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में टायर से संबंधित उन समस्याओं और चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने का मौका मिला, जो भारत में किसान समुदाय के सामने आती हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों की लाभदेयता बढ़ाने में काम आने वाले सिएट के आयुष्मान टायर रेंज का प्रदर्शन भी किया गया। सिएट लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मार्केटिंग नीतीश बजाज ने कहा, किसानों को टायरों की उम्र बढ़ाने के तरीके और नुस्खे समझाने के लिए आयुष्मान ट्रैक्टर मीट जैसे जागरूकता कार्यक्रम जरूरी हैं। इससे हमें पंक्चर से सुरक्षित और मजबूत पकड़ वाले सिएट आयुष्मान टायरों की रेंज दिखाने का मौका भी मिला है।

बाजार भाव

गुरुवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर शहर के अधिकांश प्रमुख बाजार बंद थे।

किराना बाजार-	
शकर	3230-3260
गुड़ चोरसा 3150-3200	कटोरा 3400
गुड़ लड्डू 3500-3525	बालाजी 6000
साबूदाना चालू	4050-4500
वरलक्ष्मी 5200	सोल्जर 4100
1 किलो पैक 5800	आधा किलो 5860
खोपरा गोला	195-210
खोपराबूरा 15 किलो	2500-3300
नारियल 120 भर्ती	1500-1550
160 भर्ती	1600-1625
200 भर्ती	1750-1850
250 भर्ती	1800-1850
मसाले (प्रति किलो)	
हल्दी सांगली	140-142
निजामाबाद	100-115
हल्दी पीसी	1550-1700
कालीमिर्च कालामोती 392	दीपक 402
कालीमिर्च गणेश 427	मटरदाना 443
जीरा चालू किस्म	195-203
जीरा पंजा 207	खुशबू 210
जीरा सुपर बेस्ट	220-225
सौंफ मोटी 90-140,	बारीक 180-190
हरी इलायची	1350-1850
लौंग चालू 550-575	बेस्ट 600-615
दालचीनी 185-195	जायफल 575-675
जावित्री	1350-1450
बड़ी इलायची	675-850
बाद्यान्न फूल 225-255	तेजपान 85-90
सूखे मेवे (प्रति किलो)	
काजू डब्ल्यू (240)	860-880
डब्ल्यू (320)	800-825
एस डब्ल्यू 300	765-770
टुकड़ी	760-770
खारक चालू 55-95	बेस्ट 105-145
बादाम 700-720	टांच 590-600
अखरोट 425-600	अंजीर 625-900
मखाना हल्का 600-700, बेस्ट	725-800
किशमिश 280-350	इंडियन 200-270
मनुक्का 325-550	तरबूज मगज 140-142
चारौली 600-625	बेस्ट 675-750
केसर (प्रति ग्राम)	110-120
शाहजीरा 300-500	नागकेसर 620-625
खसखस 250-475	बेस्ट 500-550
अनाज (प्रति क्विंटल)	
गेहूं चालू	1975-2025
गेहूं 147 एवरेज	2050-2100
बेस्ट	2150-2250
लोकवन एवरेज	1975-2050
बेस्ट	2100-2300
चंदौसी	3000-3200
ज्वार चालू	1250-1400
ज्वार बेस्ट	2000-2100
मक्का पीली	1440-1450
मक्का गज्जर	1420-1430
गेहूं मिल डिलीवरी-	
इंदौर, पीथमपुर, सेंधवा	2020-2060
जलगांव, धुलिया, अमलनेर	2140-2150
ढाणे-2200	खपोली 2210
पुणे 2270	नगर 2240
बेंगलूरू	2380
हैदराबाद	2290
चावल	**(प्रति क्विंटल)**
नर्मदा प्रीमियम बासमती	7900-8400
बासमती मैट्रो	6000-7300
बासमती रेगुलर	5400-5900
सुपर मोगरा	4700-5200
मोगरा	4100-4500
नर्मदा बासमती टिनीमिनी	2700-3000
बासमती सैला	5500-7000
कालीमूंछ डिनर किंग	6000
राजभोग	5000
दुबराज	4000
परमल	2600-2700
हंसा सैला	2600-2700
हंसा सफेद	2300-2400
दालों के थोक दाम	**(प्रति क्विंटल)**
चना दाल एवरेज	5000-5100
चना दाल मध्यम	5200-5300
चना दाल बोल्ड	5400-5500
मसूर दाल छोटी	4850-4950
मसूर दाल बोल्ड	5050-5150
तुवर दाल चालू	4800-4900
तुवर दाल फूल	5400-5500
बोल्ड मार्केवाली	5900-6100
मूंग दाल एवरेज	5900-6000
मूंग दाल बोल्ड	6100-6200
मूंग मोगर पॉलिस्ड	6100-6200
मूंग मोगर बोल्ड	6400-6600
उड़द दाल चालू	4650-4750
उड़द दाल बोल्ड	4850-4950
उड़द मोगर	5400-5700
दलहन	**(प्रति क्विंटल)**
चना	4125-4150
विशाल चना	4025-4050
डॉलर चना	4000-5600
मसूर	3740-3750
तुवर सफेद	3900-3950
तुवर लोकल	3300-3600
उड़द बोल्ड	3700-3800
उड़द एवरेज	3000-3500
मूंग बेस्ट	4600-5000
मूंग एवरेज	4000-4400
बटरी	0000-0000
तेल-तिलहन	**(प्रति 10 किलो)**
सोयाबीन रिफाइंड	743-745
सोया साल्वेंट	705-710
मुंबई सोया रिफाइंड	740
	सोया डिगम
708	
पाम तेल मुंबई	678-680
पाम तेल इंदौर	725
कपास्या तेल	750-760
मूंगफली तेल इंदौर	870-890
मुंबई	895
गुजरात लूज	850-860
राजकोट तेलिया टिन	1370-1380
तिलहन	**(प्रति क्विंटल)**
सोयाबीन नया	3000-3200
सोयाबीन जूना	3150-3325
सोयाबीन प्लांट डिले.	3350-3400
सरसों कंडीशन आधारित	4375-4400
रायड़ा	3700-3800
तेल टिन	
वनस्पति	1000-1020
मूंगफली तेल	1400-1525
सनफ्लावर तेल	1380-1400
सोयाबीन तेल	1150-1250
सरसों तेल	1400-1500
खोपरा तेल	3000-3150
कपास्या खली	**(प्रति 60 किलो)** टैक्स अलग
इंदौर	1500
देवास-उज्जैन	1500-1505
खंडवा-बुरहानपुर	1490-1495
अकोला (प्रति क्विंटल)	1900
मावा	**(प्रति किलो)**
इंदौर	220
उज्जैन	152
रतलाम	170-190
आटा-मैदा-बेसन	**(प्रति 50 किलो)**
आटा कट्टा	1150-1160
मैदा कट्टा	1220-1225 रु।

केनरा एचएसबीसी ओबीसी लाइफ का नया इन्वेस्ट 4जी प्लान लॉन्च

नई दिल्ली। जीवन बीमा क्षेत्र की कंपनी केनरा एचएसबीसी ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स लाइफ इंश्योरेंस ने नया यूनिट लिंक्ड प्लान इन्वेस्ट 4जी लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी ने गुरुवार को यहां जारी बयान में कहा कि यह प्लान ग्राहकों को उनकी जरूरतों के अनुसार उपयुक्त संरक्षण का चयन करने के लिए एक विस्तृत विकल्प प्रदान करता है। इसको नये डिजिटल दौर के ग्राहकों की जरूरतों को हिसाब से डिजाइन किया गया है। उसने कहा कि पॉलिसी परिपक्वता पर मॉर्टेलिटी चार्जेज की वापसी जैसी सुविधाओं के साथ यह एक प्रतिस्पर्धी उत्पाद है जो ग्राहकों को अपने बदलते जीवन स्तर की जरूरतों और भविष्य के लक्ष्यों के आधार पर निर्णय लेने में मददगार है। कंपनी ने इसे पॉलिसीबाजारडॉटकॉम के सहयोग से तैयार किया है। वह वेब एग्रीगेटरों और डिजिटल वितरण चैनलों के माध्यम से प्लान को बढ़ावा देगी।

रोजर दुबुई ने मोनाको में नया बुटिक खोला

मुंबई। रोजर दुबुई ने विश्व प्रसिद्ध रियासत मोनाको में एक नया स्टोर खोला है। विगत एक वर्ष से यह घड़ी निर्माता लेम्बोर्गिनी इंजनस् के साथ जुड़ा रहा, इसलिए यह एक मात्र फिटिंग थी कि ला रोचर-द रॉक को आशियाना बनाया जाए, यह एक प्रतिष्ठित एवं आलीशान स्थान है और कार उद्योग की जन्मस्थली भी है। भौगोलिक दृष्टि से भी देखा जाए तो यह इसके भागीदार पिरेली के काफी नजदीक है, जो हर वर्ष शहर को अपने मोटरस्पोर्ट् गतिविधियों से एक नया स्वरूप प्रदान करता है। यहां पर मुख्य टाइमपीसेज और मोटरस्पोर्ट संग्रह एक्सकैलिबर एवेंडर एसएस और एक्सकैलिबर स्पाइडर पिरेली को स्टोर खिड़कियों में प्रदर्शित किया गया है। बुटीक का एक वर्ग महिलाओं की घड़ियों को समर्पित होगा, जबकि बुककेस में निर्मित लाल पृष्ठभूमि के साथ केस प्रदर्शित करते हैं और एस्ट्रल दीवार उत्कृष्ट कृतियों और नए मॉडल आने पर उन्हें यहां प्रदर्शित किया जाएगा।

विजय माल्या के मुद्दे पर कांग्रेस ने फूंका अरूण जेटली का पुतला

सूरत। विजय माल्या के मुद्दे पर सूरत कांग्रेस कार्यकर्ता आज सड़क पर उतर आए और केन्द्रीय वित्त मंत्री अरूण जेटली का पुतला फूंका। बता दें कि बीते दिन लंदन में विजय माल्या ने कहा था कि वह वित्तमंत्री अरूण जेटली से मिलने के बाद लंदन आए थे। माल्या के बयान के बाद अरुण जेटली ने सफाई देते हुए आज कहा था कि संसद में हर कोई उनसे मुलाकात करता है। विजय माल्या के बयान में कांग्रेस को बैठे बिठाए मुद्दा दे दिया और उसने अरूण जेटली से इस्तीफा देने की मांग कर डाली।

इस संदर्भ में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस की और सवाल किया कि देश के वित्त मंत्री अरूण जेटली ऐसे व्यक्ति को कैसे विदेश भाग जाने देते हैं, जिसके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी है। यदि विजय माल्या ने अपने लंदन जाने के बारे में वित्त मंत्री को जानकारी दी थी तो उन्होंने पुलिस या सीबीआई को सतर्क क्यों नहीं किया। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि अरूण जेटली को इस बारे में खुलासा करना चाहिए कि माल्या को भगाने में वह स्वयं जिम्मेदार हैं या उन्हें ऊपर से आदेश मिला था। राहुल गांधी ने अरूण जेटली से इस्तीफा देने की भी मांग की।

राहुल गांधी के बयान के बाद सूरत के सरथाणा कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए। अरूण जेटली हाय हाय, चोर जेटली हाय हाय जैसे नारे लगाते हुए उनका पुतला फूंक विरोध प्रदर्शित किया।

सूरत रेल्वे स्टेशन पर दो राउंड फायरिंग

सूरत स्टेशन पर गोलियां चलने से भगदड

सूरत. सूरत स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक पर गुरुवार शाम रणकपुर एक्सप्रेस से उतरे एक युवक पर पहले से घात लगाकर बैठे दो अज्ञात जनों ने दो राउंड फायरिंग की और फरार हो गए। इस वारदात से स्टेशन पर भगदड़ मच गई। रेलवे सुरक्षा बल और रेलवे पुलिस पंद्रह मिनट बाद घटनास्थल पर पहुंची। तब तक फायरिंग करने वाले भाग चुके थे। घायल युवक को दो गोलियां लगी हैं। उसे स्मीमेर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बान्द्रा टर्मिनस-बीकानेर रणकपुर एक्सप्रेस गुरुवार शाम ७.२० बजे प्लेटफॉर्म पर आकर खड़ी ही हुई थी कि इंजन के पीछे जनरल डिब्बे के नजदीक दो राउंड की फायरिंग से स्टेशन परिसर गूंज उठा। उस समय पैसेंजर ट्रेन से उतर और चढ़ रहे थे। अचानक हुई फायरिंग से यात्रियों में भगदड़ मच गई। पंद्रह-बीस मिनट बाद रेलवे सुरक्षा बल तथा रेलवे पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे। प्लेटफॉर्म संख्या एक पर एक युवक घायल अवस्था पड़ा था। रेलवे सुरक्षा बल के जवान उसे पार्सल की लारी पर लिटाकर प्लेटफॉर्म से बाहर ले गए। उसे १०८ एम्बुलेंस में स्मीमेर अस्पताल भिजवा दिया गया। बाद में रेलवे सुरक्षा बल तथा रेलवे पुलिस के आला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। स्मीमेर अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार घायल युवक का नाम यूसुफ खान इशरत खान पठान (23) है। वह लिम्बायत क्षेत्र में रहता है। रेलवे सुरक्षा बल तथा रेलवे पुलिस के अधिकारी स्मीमेर अस्पताल पहुंचे और यूसुफ के बयान दर्ज करने की कार्रवाई शुरू की। यूसुफ ने रेलवे पुलिस को बताया कि उसके मोहल्ले में रहने वाले सिब्बू उर्फ टाइगर और बिच्छू नाम के दो युवकों ने उस पर फायरिंग की है। इनसे उसका छह महीने से झगड़ा चल रहा है। टाइगर को पहले से पता था कि यूसुफ मुम्बई से रणकपुर एक्सप्रेस में सूरत आ रहा है। टाइगर अपने साथी बिच्छू के साथ पहले से घात लगाकर प्लेटफॉर्म पर था और ट्रेन का इंतजार कर रहा था। यूसुफ इंजन के पीछे वाले जनरल कोच से उतरा, तभी टाइगर ने उस पर दो राउंड फायरिंग कर दी। मॉडल नाम से मोहल्ले में मशहूर

लिम्बायत क्षेत्र में रहने वाले समाजकंटकों द्वारा सूरत स्टेशन पर की गई फायरिंग के बाद रेलवे पुलिस की एलसीबी शाखा ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस को मिली प्राथमिक जानकारी के मुताबिक लिम्बायत में गैंगवार को लेकर फायरिंग हुई है। यूसुफ अपने मोहल्ले में मॉडल के नाम से मशहूर है। उसके मुम्बई जाने की जानकारी टाइगर को पहले से थी। टाइगर जमीन पर कब्जे और सुपारी लेने के काम करता है। सलाबतपुरा थाने में उसके खिलाफ आम्र ?स एक्ट के तहत मामले दर्ज होने की जानकारी मिली है। 15 दिन पहले धमका कर गया था

लिम्बायत क्षेत्र में यूसुफ अपने मामा के साथ रहता है। टाइगर कुछ दिन पहले उसे धमकाने के लिए उसके घर गया था। उसने उसके मामा को धमकाते हुए यूसुफ को देख लेने की धमकी दी थी। यूसुफ पतरे के शेड तथा लोहे की ग्रिल लगाने का कॉन्ट्रेक्ट लेने का कार्य करता है। यूसुफ और टाइगर मूल रूप से उत्तरप्रदेश के निवासी बताए जा रहे हैं।

मोदी के जन्म दिन पर 680 फीट लम्बा और 6800 किलो वजनी केक काटा जाएगा

सूरत। शहर की ब्रेडलाइनर बेकरी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 68 वें जन्म दिन पर एक नया प्रयोग किया जा हरा है। केक ऑफ यूनिटी के अंतर्गत 680 फीट लम्बा और 6800 किलो वजनी केक बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा। केक की कटिंग 17 सितम्बर की शाम सुवर्ण भूमि पार्टी प्लाट में होगी। यहां रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।1150 किलो मैदा और 1550 किलो खांड का इस्तेमाल होगा। 650 फीट लम्बे और 6800 किलो वजनी केक बनाने के लिए 225 किलो वे प्रोटीन, 1150 किलो कोको पावडर, 25 किलो केरेमल, 125 किलो जेल, 1150 किलो मैदा,1550 किलो खांड, 350 किलो

तेल, 1675 किलो विप क्रीम, 850 किलो चॉकलेट चिप्स का उपयोग किया जाएगा।

रोज 50 लोग मेहनत कर रहे हैं

केक को 16 डिग्री के टेम्परेचर में बनाया जाएगा7 इसमें 20 शेफ और 30 सपोर्टिंग स्टॉफ मिलकर कुल 50 लोग तैयारी में लगे हैं। ये लोग रोज 10 घंटे मेहनत कर रहे हैं। केक के ऊपर स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ जैसी योजनाओं के संबंध में संदेश होंगे।

68 सफाईकर्मी, 68 दिव्यांग, 68 रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर, 68 खिलाड़ी, 68 कन्याएं, 68 पारसी समाज के नेता, 68 सिख समाज के नेता, 68 वनवासी, 68 वृद्धों, 68 यहूदी समाज के नेता, 68 बच्चे अंधजन स्कूल के और 68 अनाथ बच्चे केक कटिंग में शामिल होंगे।

सूरत में टूटेगा रिकॉर्ड

केरल की एक बेकरी द्वारा 600 फीट लम्बा केक बनाया गया था। सूरत में 680 फीट लम्बा केक होगा। इस कार्यक्रम में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बुक वालों को भी बुलाया गया है।

एम्ब्रायडरी कारखाने के माली से 7.33 लाख की धोखाधडी

सूरत। रिंगरोड कुबेरजी मार्केट में व्यवसाय करने वाले नायक बंधुओं द्वारा एम्ब्रॉयडरी जॉबवर्क कराने के बाद मजदूरी के 7.33 लाख रूपए नहीं चुकाकर दुकान बंद कर फरार होने पर पुलिस ने पीड़ित की शिकायत लेकर जांच शुरू की है।

सलाबतपुरा पुलिस की जानकारी के अनुसार उत्राण मनीषा गरनाले के पास सेन्टोसा हाईट्स में रहनेवाले हार्दिक मनसुख देसाई एम्ब्रॉयडरी जॉबवर्क का कार्य करते हैं। हार्दिक के पास रिंग रोड कुबेरजी मार्केट में दुकान चलानेवाले संजय रूप किशोर नायक, सुनील

नायक और सुधीर नायक द्वारा दलाल पंकज श्रीहरि वल्लभ के माध्यम से लुभावनी बातें कर अप्रैल महीने में एम्ब्रॉयडरी जॉबवर्क कराया था। जिसकी मजदूरी के 7,33,413 रूपए की आए दिन वसूली करने के बावजूद भी नहीं देकर दुकान को ताला मारकर रफूचक्कर हो गया। घटना के संबंध में पुलिस ने हार्दिक की शिकायत लेकर नायक बंधु और दलाल पंकज के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

स्व. अटलबिहारी वायजपेयी जी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर सूरत में कावजांलि

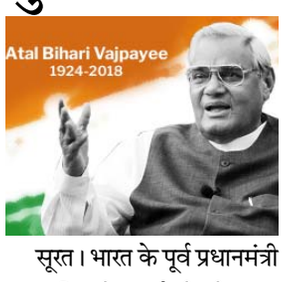

सूरत। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी जी प्रथम मासिक पुण्यतिथि के अवसर पर भाजप सूरत महानगर की तरफ से 16 से 25 सितम्बर काव्यांजलि तथा कार्यांजली कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कवि ह्रदय स्व. अटलजी की मासिक पुण्यतिथि के अवसर पर 16 सितम्बर रविवार के दिन दोपहर 4 बजे से वीर नर्मद दक्षिण गुजरात युनिवर्सिटीन कन्वेन्शन हॉल में काव्यांजलि का कार्यक्रम रखा गया है। इस कार्यक्रम में डॉ मुकुल चोकसी सहित अन्य कवि देशभक्ति और स्व. अटलबिहारी की कविताओं सुनाएंगे। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री पुरुषोतम भाई रुपाला, भाजपा गुजरात प्रदेश महामंत्री भरतसिंह परमार विशेष अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर सूरत की विभिन्न संस्थाओं द्वारा अटलजी को समर्पित काव्यांजलि कार्यक्र का आयोजन किया गया है।

सचीन पोलीस ने महिला बुटलेगर को पकड़ा

सूरत। सचीन पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी केअनुसार सीचन पारडी कणदे बस स्टैड के पास आरोपी सावित्र बहन उमेश भाई टंडेल को पकड़ा गया। पुलिस आरोपी बुटलेगर के पास से व्हीस्की, बीयर समेत कुल 28800 रुपए का माल जप्त किया है। सचीन पुलिस आरोपी महिला के विरुद्ध में कायदेशर की कार्यवाही की है।

वृद्धा के मकान में चोरी

सूरत। झांपा बाजार मोरकस मोहल्ले में रहनेवीली वृद्धा को मकान में पच्चीस दिन में आए दिन राडो घड़ी, मोबाइल, विदेशी कोस्मेटिक चीज-वस्तुओं की चोरी हुई। इस संबंध में नौकरानी पर शक व्यक्त की गई है।

चौक बाजार पुलिस की जानकारी के अनुसार झांपा बाजार मोरकस मोहल्ले में रहनेवाली नफीसाबेन दाउद कांचवाला (उ.75) के मकान से 25 दिन में आए दिन 35 हजार रूपए की राडो घड़ी, बैग, मोबाइल, विदेश कोस्मेटिक समेत अन्य चीज-वस्तुओं की चोरी हुई। इस चोरी के पीछे नफीसाबेन ने अपने घर में आनेवाली रेहाना सीराजुद्दीन मुजफरअली कादरी के खिलाफ शंका व्यक्त की है। नफीसाबेन ने आए दिन रेहाना के पास से सामान की मांग की थी किंतु सामान लेने की बात कबूल नहीं की किंतु किश्तों में पैसे देने की बात की थी। घटना के संबंध में पुलिस ने नफीसाबेन की शिकायत के आधार पर रेहाना को शक के दायरे में लेकर पूछताछ शुरू की है।

भाजपा की प्रदेश कारोबारी की बैठक 22 सितंबर

अहमदाबाद। गुजरात भाजपा राज्य में लोकसभा की सभी 26 सीटें जीतने की रणनीति बनाएगी और इस पर चर्चा के लिए आगामी 22 सितंबर को पार्टी की प्रदेश कारोबारी की बैठक का आयोजन किया है। बैठक में लोकसभा चुनाव समेत हार्दिक पटेल के उपवास आंदोलन का राज्य में कितना प्रभाव पड़ा और यदि प्रभाव पड़ा है तो उससे निपटने पर चर्चा की जाएगी। भाजपा राज्य के किसानों की बढ़ती नाराजगी से भी चिंतित है। किसानों की नाराजगी दूर करने पर भाजपा चिंतन करेगी। इसके अलावा पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतें भी भाजपा समेत सरकार को परेशान कर रही हैं। प्रदेश कारोबारी बैठक में दो प्रस्ताव पास किए जाने की संभावना है।

गणपति बप्पा मोरिया.....

महादेवनगर उधना में महाकाल ग्रुप एवं क्रांति समय न्युज पेपर का संयुक्त गणपति पंडाल

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के निकट बनाएगी त्रिविध भवन

अहमदाबाद। पास नेता हार्दिक पटेल के निष्परिणाम आमरण अनशन के बाद पास के अन्य आंदोलनकारियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान किया है। पास के प्रभारी दिलीप साबवा ने स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के निकट पाटीदार आंदोलन के दौरान मारे गए युवकों की याद में त्रिविध भवन बनाने का ऐलान किया है।

प्रशानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर प्रहार करते हुए दिलीप साबवा ने कहा कि तीन साल से चल रहे आंदोलन में पाटीदार समाज के 14 युवकों की मौत के बावजूद उन्होंने एक शब्द नहीं कहा। जिसकी जन्म भूमि, मातृ भूमि और कर्मभूमि गुजरात की है ऐसे प्रधानमंत्री को गुजरात के पाटीदार और किसानों की वेदना का संदेश देने के उद्देश्य से किसमें कितना है दम कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत 30 अक्टूबर 2018 को 14 पाटीदार युवकों की प्रतिमा यात्रा 101 गाडियों के काफीले के साथ बोटाद से निकलकर नर्मदा पहुंचेगी। जहां 30 अक्टूबर को त्रिविध भवन के स्थल पर 101 पाटीदार युवक और किसान मुंडन करवाएंगे, जिसके बाद आहूति यज्ञ करेंगे। त्रिविध भवन के लोकार्पण में राष्ट्रीय नेता और सामाजिक नेता शामिल होंगे। 31 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी का लोकार्पण किया जाना है। दिलीप साबवा ने बताया कि उसी जगह और समय पर त्रिविध भवन का लोकार्पण किया जाएगा। इसके अलावा आरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट में कानूनी लड़ाई का उन्होंने ऐलान किया। त्रिविध भवन एवं गांधी प्रेरित रास्ते पर आंदोलन करने में सामाजिक नेता और गुजरात के पाटीदारों का सहयोग लिया जाएगा। दिलीप साबवा ने सरकार से छह मांगें पूरी करने की अपील की है।

नौवीं विशाल पैदल अलखधाम यात्रा आज

सूरत। जेबीआर सेवा समिति की ओर से नौंवी विशाल पैदल अलखधाम यात्रा का आयोजन शनिवार को किया गया है। पैदल अलखधाम यात्रा शनिवार रात 11.30 बजे बाबा रामदेव की पूजा अर्चना के साथ परवत पाटिया के मॉडल टाउन स्थित शिव मंदिर से शुरू होकर बारडोली के गंगाधरा स्थित अलखधाम में पहुंच कर स पन्न होगी। रविवार सुबह 7 बजे अलखधाम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा आरती की जाएगी। समिति की ओर से अलखधाम में पैदल यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए सुबह साढ़े सात बजे से पूर्वान्ह 11 बजे तक महाप्रसादी की व्यवस्था की गई है। यात्रा वापसी के समय महिलाओं के लिए बस की व्यव-स्था की गई है।

रोहित तिवारी

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com